होली की हार्दिक शुभकामनाएँ

पाक्षिक

टेक्सटाइल वर्ल्ड

Postal Registration No : BHILWARA/208/2021-2023 Posting on 24-03-2021 at Rail Mail Service, Bhilwara

वर्ष-23 | अंक-19 | भीलवाड़ा/22 मार्च, 2021 | कुल पृष्ठ- 18 | मूल्य : 15 रुपए | 1

कपड़े में कारोबार तथा प्रोसेसिंग चार्ज बढ़ने के बाद तैयार गारमेण्ट का भाव बढ़ाने का दबाव

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

गारमेण्ट कपड़े में कारोबार तथा प्रोसेसिंग चार्ज बढ़ने के बाद तैयार गारमेण्ट में भाव बढ़ाने का दबाव बनने की संभावना है। अभी रिटेल में धंधा उतना अच्छा नहीं है। उत्पादन स्तर पर भी सावधानी बरती जा रही है। रिटेलर्स अंदरखाने डिस्काउण्ट देकर माल क्लीयर करने पर जोर दे रहे हैं। नये स्टॉक लेने में देरी का एक प्रमुख कारण पूरे महाराष्ट्र में कोरोना के नये केस आने शुरू हो गए हैं। कुछ प्रमुख शहरों में लॉकडाउन लगा दिया गया है, तो कहीं आंशिक लॉकडाउन लगा है। जहां लॉकडाउन नहीं लगा है, उन सभी स्थानों पर दुकानों को खोलने के लिए रोटेशन पद्धति अपनाई जा रही है। एक दिन छोड़कर दुकानों को खोलने की दी गई अनुमति से कारोबार पर असर पड़ रहा हैं।

गारमेण्ट उत्पादकों की सीजन की तैयारी को जोरदार झटका लग सकता है। फैब्रिक्स के बढ़ते भाव तथा आर्थिक संकट से अब दो-चार होना पड़ रहा है। घटता कारोबार, धीमी उतरती उधारी और फैब्रिक्स का भुगतान नकद अथवा एक निश्चित समय सीमा में करने के बढ़ते दबाव के बीच यह एक बड़ी चुनौती है। यार्न के रेट बढ़ने के बाद शर्टिंग एवं सूटिंग दोनों के भाव बढ़ा दिए गए, तब पुराना स्टॉक बाहर निकालने के लिए व्यापरियों को एक अच्छा मौका मिला था। अपना स्टॉक कम करने में इनको मदद मिली है। अब फैब्रिक्स के भाव बढ़ रहे हैं। फैब्रिक्स सप्लायर्स का जोर अब ऐसी गारमेण्ट इकाइयों को आपूर्ति करने का है, जहां भुगतान नहीं फंसे।

कपड़ों विशेषकर गारमेण्ट क्षेत्र में कारोबार अच्छी गति से सुधर रहा था। ग्राहकी का सपोर्ट अच्छा मिलने से रिटेलर्स एवं उत्पादकों को आगे की प्लानिंग करने में मदद मिली है। यद्यपि मार्च एंडिंग होने के कारण धन संकट की समस्या हर सीजन की हैं। इस बीच कॉटन यार्न की तेजी से ग्रे कपड़ों के भाव में भारी वृद्धि हुई। अब रंग रसायनों के भाव बढ़ने से प्रोसेसिंग चार्ज भी बढ़े हैं। डीजल के महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ी है। इन सभी का असर गारमेण्ट पर पड़ने की संभावना है। जानकारों का कहना है कि जैसे ही बाजार में ग्राहकी अच्छी चलने लगेगी, वैसे ही नई भाव वृद्धि अमल में आ सकती है। अभी इंतजार किया जा रहा है। अनुमान है कि करीब 25 फीसदी भाव बढ़ सकते हैं।

हेल्पलाइन पोर्टल द्वारा होगा यार्न सप्लाई समस्या का समाधान

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

देश-विदेश में कोविड-19 के दौरान ठप्प पड़ी कपड़ा उद्योग की गतिविधियां आरंभ होने और इससे फैब्रिक उद्योग के सामने कॉटन यार्न के बढ़ते भाव और इसकी कमी की समस्या के समाधान के लिए नेशनल कमेटी ऑन टेक्सटाइल्स एंड क्लोदिंग्स (एनसीटीसी) ने एक हैल्पलाईन पोर्टल आरंभ किया है।

एनसीटीसी के कॉ-ऑर्डिनेटर और कॉफेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री (सिटी) के चेयरमैन श्री टी राजकुमार का कहना है कि इस पर फैब्रिक निर्माता यार्न की कमी और यार्न की अनियमित सप्लाई के बारे में अपनी डिटेल डाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिटी का सचिवालय ऐसी जानकारी को विभिन्न टेक्सटाइल एसोसिएशनों, एक्सपोर्ट प्रोमोशन कौंसिल तथा अन्य संबद्ध संगठनों को भी इस बारे में अवगत करा रहा है।

उनका मानना है कि इस प्रणाली में खरीददार और बिकवाल के बीच सीधे सम्पर्क होने से सट्टा प्रवृति पर रोक लगेगी तथा जमाखोरी आदि पर अंकुश लगेगा। उनका कहना है कि इस पोर्टल के कारण अन्य परेशानियों का समाधान भी तेजी से होगा। श्री राजकुमार ने स्पिनिंग उद्योग से अनुरोध किया कि वह फैब्रिक निर्माताओं के साथ अपने सौदों को निर्धारित भाव पर पूरा करे और यार्न के भाव में स्थिरता लाने का प्रयास करे। उन्होंने अपने संगठन के सदस्यों से इस नए पोर्टल की सेवाओं का लाभ उठाने को कहा क्योंकि इससे उद्योग की समस्याओं में यार्न सम्बंधी समस्याओं का समधान वहीं पर तुरंत हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष कोविड-19 के कारण विश्वभर में कपड़ा उद्योग सहित सभी उद्योगों में गतिविधियां ठप्प हो गई थी, लेकिन जैसे-जैसे अन-लॉकिंग प्रक्रिया आरंभ हुई कपड़ा उद्योग सक्रिय होने लगा। भारत ही नहीं विश्व भर में सबसे पहले कपड़ा उद्योग में ही गतिविधियां तेजी से आरंभ हुई और कॉटन तथा यार्न की मांग में सुधार होने लगा। घरेलू फैब्रिक मिलों की यार्न की जोरदार मांग आने के कारण इसकी भारी कमी उत्पन्न हो गई तथा इसके साथ ही विश्व के अन्य देशों और विशेषकर चीन की मांग आने से यार्न की और कमी बन गई।

उल्लेखनीय है कि भारत विश्व में एक प्रमुख यार्न निर्यातक देश है और लगभग हर उपभोक्ता देश को इसका निर्यात किया जाता है। इसके अलावा सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत कपड़ा उद्योग को प्रोत्साहन देने की नीति से यार्न की मांग तेजी से बढ़ी है और उतनी ही तेजी से इसके भाव में बढ़ोतरी हुई है। यार्न के भाव में आई अप्रत्याशित बढ़ोतरी के कारण इस समय फैब्रिक निर्माता अधिक परेशानी अनुभव कर रहे हैं। स्पिनिंग उद्योग का कहना है कि कॉटन के भाव में बढ़ोतरी के कारण उनकी लागत में भी वृद्धि हो गई है।

यार्न निर्यात बढ़ा

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जनवरी के बीच देश से कॉटन के निर्यात में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। एक अनुमान के अनुसार देश से हर माह औसतन 900 लाख किलो कॉटन यार्न का निर्यात किया जाता है।

प्रतिबंध की मांग

इसी बीच, साऊथ इंडियन होजियरी मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन ने केंद्रीय सरकार से कॉटन फैब्रिक और यार्न के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने और इसे आवश्यक वस्तु अधिनियम में शामिल करने की मांग की है। एसोसिएशन के प्रेजीडेंट श्री सी एश्वरन का कहना है कि यदि सरकार ने कॉटन फैब्रिक और यार्न के निर्यात पर प्रतिबंध नहीं लगाया तो तिरपुर का उद्योग यादगार बनकर ही रह जाएगा। यही नहीं, विगत दिनों तिरपुर के एक्सपोर्टर्स ने भी कॉटन फैब्रिक की कमी और अनियमित सप्लाई के प्रति रोष प्रकट किया था। तिरपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के प्रेजीडेंट श्री राजा एम षणमुगम का कहना है कि न केवल कॉटन यार्न के भाव अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए हैं, अपितु सप्लाई भी नियमित नहीं है। उनका कहना है कि कॉटन यार्न की कमी, बढ़ते भाव और अनियमित सप्लाई को देखते हुए बेहतर है कि कारोबार को बंद ही कर दिया जाए। इस समय विश्व के प्रमुख ब्रांड तिरपुर से आऊट सोर्सिंग कर रहे हैं, लेकिन यहां का उद्योग कच्चे माल की सप्लाई और ऊंचे भाव के कारण आर्डर खो रहे हैं, इससे यहां के गारमेंट उद्योग को बड़ा नुकसान हो रहा है।

शेष पेज 6 पर

चालू सीजन में रुई के भाव तेजी से बढ़े

मांग में कोई कमी नहीं

मुंबई

मांग अच्छी होने से सीजन के दौरान रुई के भाव में अब तक कुल 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, इसमें फरवरी महीने में सबसे ज्यादा भाव बढ़े है। रोचक बात यह है कि यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब देश में पुराना स्टॉक एवं नई आवक दोनों रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर रुई के भाव चालू सीजन में तेजी से बढ़े हैं, क्योंकि इस सीजन में रुई का वैश्विक उत्पादन चार वर्ष के निचले स्तर पर रहने का अनुमान और चीन के आयात में अच्छी वृद्धि होने, केरी फॉरवर्ड स्टॉक कम होने का असर रुई के भाव पर पड़ा है। न्यूयॉर्क वायदा में रुई का भाव जून 2020 में जो 51.44 सेंट प्रति पाउंड था, वह फरवरी 21 के अंत में 89.2 सेंट हो गया था।

यद्यपि न्यूयॉर्क वायदा में रुई के भाव पिछले सप्ताह में थोड़े घटे हैं, इस भाव को यदि भारत के संदर्भ में देखा जाए तो यह प्रति खंडी अर्थात् 356 किलो का 51300 रू बैठता है, जबकि भारतीय निर्यातकों ने संकर 6 रुई का भाव प्रति खंडी 48000 रू कोट किया है। इतना ही नहीं, कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने अपनी रुई का भाव इसी के समकक्ष ऑफर किया है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में रुई की भारी किल्लत से भाव सबसे ऊंचे स्तर 12000 रू मन बताया जा रहा है। पाकिस्तान में रुई की भारी कमी है। यहां रुई की खपत 120 लाख गांठ की है, जबकि देश में उत्पादन 77 लाख गांठ होने का अनुमान है। पाक अब तक भारी मात्रा में रुई का आयात भी कर चुका है।

रुई में तेजी इतनी जोर से आगे बढ़ी कि भाव कोरोना से पहले के स्तर पर पहुंचने में देरी नहीं लगी। जानकारों का ऐसा कहना है कि यह रुई की घरेलू और निर्यात मांग के साथ उत्पादन अनुमानों में हुए बदलाव के कारण कपास तथा रुई में उछाल का मौका बना। वैश्विक उत्पादन कम होने का भी असर देश की रुई के भाव पर पड़ा है। अब बाजार में कपास की आवक धीरे-धीरे कम होती जा रही है, जबकि रुई में स्पिनिंग मिलों के साथ निर्यातकों की मांग है। बाजार में अधिकांश स्टॉक आ जाने के बाद शेष स्टॉक पर बड़े किसानों की अच्छी पकड़ है। रुई तथा कपास की आवक कम होती आवक से बाजार में इसके भाव और टाइट होने की संभावना बनी हुई है।

हाजिर बाजार में कुछ दिनों की मामूली गिरावट को छोड़ दें तो चालू सीजन में रुई के भाव में कोई बड़ी गिरावट देखने को नहीं मिली है। रुई के इंटरनेशनल भाव में करीब 11 प्रतिशत की वृद्धि की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। इसके सामने भारतीय रुई काफी सस्ती है, वहीं दूसरी ओर कॉटन यार्न की घरेलू मांग तथा निर्यात बाजार में अच्छी डिमाण्ड होने से स्पिनिंग मिलों की अच्छी क्वालिटी की रुई में लेवाली रहने से भाव ऊचे स्तर पर टिके रहे हैं। निर्यातकों की अच्छी गुणवत्ता की रुई में मांग रहने से बाजार को काफी मदद मिली है। भारत से पाकिस्तान को रुई का निर्यात बंद है, यदि इसे खोला गया होता तो रुई के भाव में भारी उछाल होता।

कोरोना महामारी | एक वर्ष पूर्ण होने के बाद स्थानीय वस्त्र मण्डी में आए कई बदलाव

धागे में अप्रत्याशित तेजी से फैब्रिक की लागत भी बढ़ी

भीलवाड़ा/ कमलेश व्यास

कोविड-19 महामारी को शुरू हुए 1 वर्ष बीत गया है। इस दौरान पूरी दुनिया ने ऐसा दौर देखा, जो जीवन में कभी नहीं देखा। उसी क्रम में भारत में भी संपूर्ण लॉकडाउन लगाया गया था और 30 मई 2020 तक पूरी तरह शत प्रतिशत कर्फ्यू ही रहा।

30 मई के बाद अनलॉक-1 की शुरुआत हुई, जिसमें सरकार की गाइडलाइन के अनुसार व्यापार ट्रांसपोर्ट इत्यादि खुलने लगे। उस दौरान स्थानीय मण्डी में भी कुछ कपड़ा इकाईयों को खोलने की अनुमति दी गई और शनैः शनैः जुलाई तक सभी इकाइयाँ शिफ्ट अनुसार चलने लगी परंतु बाजार पूरी तरह प्रभावित हो चुका था। समारोह एवं आयोजन में पूरी आजादी नहीं थी, अतः संक्षिप्त कार्यक्रम ही हुए तो रिटेल में ग्राहकी खुल नहीं सकी।

इस बारे में **मोनालिसा सिंथेटिक्स के डायरेक्टर श्री मुकेश कोठारी** का मानना है कि आज तक की बाजार की स्थिति के हालात ये हैं कि पिछले 2 महीने में यार्न की दरों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई और पहली बार वीविंग और प्रोसेसिंग दरों में भी एक साथ तेजी आ चुकी, यानि अब फैब्रिक का मूल्य भी ऊंचे दामों में ही रहेगा।

बाजार सूत्रों के अनुसार कोरोना काल के 1 वर्ष के बाद होलसेलर एवं उत्पादक दोनों एक ही दिशा में चल रहे हैं। उत्पादक चाहता है कि कपड़ा जो स्टॉक में है, वो पहले बिके परंतु होलसेलर जो कपड़ा वर्तमान में डिमांड में है, वही लेना चाहता है और उसके लिए वो उत्पादक से अधिकतम पर भी खरीदी को तैयार है। इसकी वजह यह है कि जो वीवर स्पिनिंग मिलों को उसके अनुसार ही शेड लिखा रहे हैं जिसमें स्पिनिंग मिल्स शोल्ड प्रोग्राम पे जा रही है, जिसकी वजह से भाव बढ़ रहे हैं। दूसरा कच्चा माल क्रूड इत्यादि में तेजी चलने से भी यार्न दरें बढ़ी हैं। कई उत्पादक यह भी कह रहे हैं कि स्पिनिंग मिलों द्वारा लॉकडाउन की भरपाई की जा रही है और केन्द्र सरकार द्वारा एण्टी डम्पिंग ड्यूटी की अवधि बढ़ाने को भी बड़ा कारण मान रहे है।

अब स्थानीय वस्त्र मंडी की बात करें तो कपड़ा व्यापार में बदलाव आएंगे जिसमें कई व्यापारी फाइनेंशियल क्राइसिस में आ रहे हैं। उनको माल मिलने में तकलीफ आने लगी है। ऐसा अनुमान है कि जो कपड़ा 1980 में जिस इज्जत से बिकता था, वह समय पुनः आने की ओर अग्रसर है। कपड़े की रेटें भी बढ़ेगी और माल की शॉर्टेज होगी। अभी तक तो कपड़े की वास्तविक लागत से भीलवाड़ा में मिल रहा है, परंतु अब वो दौर समाप्ति की ओर है। फैब्रिक की लागत बढ़ेगी।

फिलहाल स्थानीय उत्पादक पुराने स्टॉक को खाली करने में लगे हैं और उनमें कई शीर्ष घरों को काफी सफलता भी मिली है। अभी जो कपड़ा बिक रहा है वो ठोस श्रेणी में है जैसे 2/18, प्रिण्टेड फाइबर डाइड ट्विल और DMS की फैंसी भारी डिजाइन्स में बिक्री हो रही है।

मण्डी को बड़ा झटका स्कूल यूनिफॉर्म में लगा है, क्योंकि पिछले साल से ही यूनिफॉर्म बिक्री ठहरी हुई है और अब आगे उद्यमी अगले सत्र से आशाएँ लगा रहे हैं। सब कुछ सामान्य रहा तो स्कूल यूनिफॉर्म का बड़ी तादाद में कपड़ा बनेगा, जिसमें बाजार और आगे जायेगा। फिलहाल यार्न दरें 15 मई तक नीचे नहीं आने की संभावना है। वीविंग भी सिंगल में 15-20 और डबल में 14-15 विर्थ तक चल रही है।

डी.के एजेन्सी के ऑनर श्री डी.के चौधरी ने बताया कि वर्तमान में बाजार में तेजी का दौर चल रहा है, यार्न दरे काफी बढ़ चुकी हैं, अब आगे व्यापार कोरोना के ऊपर निर्भर करेगा क्योंकि अभी पुनः केस बढ़ने लगे हैं, इससे सभी में भय का वातावरण बना हुआ है। भीलवाड़ा वस्त्र मण्डी यूनिफॉर्म सेक्टर में काफी उत्पादन करती है जो बड़ी भागीदारी है, अतः इसमें मूवमेण्ट आना बहुत जरूरी है, हालांकि फैंसी एवं गारमेण्ट की ग्राहकी तो अभी तक बेहतर रही है।

कोरोना केस बढ़ने से लॉकडाउन का डर

सतना/ बलराम शुक्ला

इस समय व्यापार बहुत अच्छी स्थिति में है। पिछले साल लोकडाउन से जो व्यापार प्रभावित हुआ था, उसकी भरपाई हो गई है, क्योंकि दीपावली से लगातार व्यापार चल रहा है। देशावर में भयंकर तेजी है, सबसे ज्यादा पोपलीन और टेरी रुबिया मे दाम बढ़े हैं। मार्केट में तेजी के बावजूद व्यापारी माल लिखा रहे हैं किन्तु अभी मन मुताबिक माल आ भी नहीं रहा हैं। माल की शॉर्टेज है लेकिन बिक्री में बहुत है। गत वर्षों में होली के बाद व्यापार चलता था किन्तु अभी से रिटेल में ग्राहकी शुरू हो गई है। उसका मुख्य कारण यह है कि इस वर्ष फसल अभी पकी नहीं है, इसलिए लगन की तैयारी में किसान लग गये हैं। आगे फसल कटाई में ग्रामीण क्षेत्र के लोग लग जायेंगे, जिससे समय नहीं मिलेगा लेकिन चिंता की बात यह है कि कोरोना की वापसी होने को है और करोना के मरीज बढ़ने लगे हैं, जबकि टीकाकरण चालू है। लोगों को फिर से लोकडाउन लगने का डर सताने लगा है।

कोरोना वापसी के डर से बाजार व व्यापार अस्त-व्यस्त

सोलापुर/ भागचंद कोचर

हम किसको दोष दें, समझ में नहीं आ रहा है। भारत सरकार कोरोना की संख्या बढ़ाने की क्या चाल चल रही है, वह पता नहीं चल रहा है। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ व गुजरात साइड में संख्या बढ़ती जा रही हैं, ऐसा दिखा रहे हैं मगर फिलहाल ऐसा है नहीं। जितने पॉजिटिव दिखाए जा रहे हैं, उनमें से 90 प्रतिशत को वह कह कर छोड़े जा रहे हैं कि इनको कोरोना नहीं है। वाकई में क्या हो रहा है, पता नहीं चल रहा है। व्यापार करना है कि नहीं करना है यह भी पता नहीं चल रहा है और यह कोरोना के चलते हो रहा है। जो मार्केट बंद कर रहे हैं और मार्केट के अंदर जो व्यापारियों की हालत खराब होती जा रही है, यह सरकार को दिख नहीं रहा है। अभी-अभी तो मार्केट खुला, अभी तो व्यापार चालू हुआ, थोड़ी बहुत ग्राहकी चालू हुई कि फिर से लॉकडाउन के संकेत आ गए। तेरह डिस्ट्रिक्ट लॉकडाउन की चपेट में हैं और 17 तारीख तक बंद है। जो भी ऑर्डर मिला था, वह सब पेंडिंग में पड़े हैं। अब ना तो नीचे से पैसा आ रहा है और ना पार्टियों को पेमेंट दिया जा रहा है। क्या करें, समझ में नहीं आ रहा है। पहले पूरे साल में कोरोना के चलते व्यापार हुआ नहीं, और अभी थोड़ा बहुत मार्केट खुला तो यह हाल हो गए हैं। व्यापारी जिए या मरे समझ में नहीं आ रहा है। सीजन चला गया और अब थोड़ा बहुत चल रहा था, उसको भी बंद कर दिया। यह थोड़ा बहुत सीजन का टाइम था, थोड़ा माल निकलता था, स्कूल थोड़ी खुली हुई थी। केवल स्कूलों में ही कोरोना आता है, बाकी जगह पर कोरोना नहीं है। न्यूज निकलती है तो बोले वह स्कूल के अंदर 40 बच्चे कोरोना के निकल गए, बाकी मंदिरों में, मार्केट में, बाजार में इतनी भीड़ भाड़ वाली जगह में शादियों में, पार्टियों में कोरोना नहीं आता है। स्कूल चालू हुआ कि स्कूल के अंदर बच्चों के लिए कोरोना नजर आ रहा है। सरकार को खोज करनी चाहिए और व्यापार कैसे चले इस पर ध्यान देना चाहिए। व्यापारियों की हालत इतनी खस्ता हो गई, इतनी खस्ता हो गई है कि थोड़े दिन के बाद कितनों के दिवाले निकलेंगे, पता भी नहीं चलेगा।

Etta इरोड़ टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन की वार्षिक सभा सम्पन्न

इरोड/सुभाष जाजू

इरोड़ टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन की वर्ष 2019-20 की वार्षिक साधारण सभा 7 मार्च को इरोड के माहेश्वरी भवन में सम्पन्न हुई। इसमें बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया। संस्था की आजीवन सदस्यता शुल्क 11000 से बढ़ाकर 15000 की गई। व्यापारियों के अन्य मंडियों में फंसी रकम को निकालने हेतु एसोसिएशन बहुत सहायक सिद्ध हुआ है। गत दिनों सूरत की एसोसिएशन के साथ मिलकर इरोड के व्यापारियों का बकाया वसूल किया गया। कुछ सदस्यों की राय थी कि GST सम्बंधित समस्याओं के समाधान के लिये संस्था द्वारा विशेषज्ञ लोगों का सेमिनार आयोजित कर करवाया जाना चाहिए। संस्था के अध्यक्ष श्री रामरतन कोठारी ने स्वागत भाषण दिया। सचिव श्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने कार्यवाही का संचालन किया। कोषमन्त्री श्री हेमन्त बांठिया ने लेखा जोखा प्रस्तुत किया। इसके बाद सहभोज के साथ सभा का समापन किया गया।

वैवाहिक सीजन न होने के कारण बाजार में बिक्री मंदी

बरेली/ राजीव अरोड़ा

होली में फीका रंग अर्थात् व्यापारी अब बहुत थक गया है। मंदे व्यापार ने कमर तोड़ दी है। होली की आशा थी कि काम चलेगा, किंतु निराशा ही हाथ लगी। ऐसा नहीं कि बिल्कुल काम नहीं है, जो काम थोड़ा बहुत है वह सन्तोषप्रद नहीं है। वैवाहिक सीजन न होने के कारण काम में सुस्ती है। आगे अप्रैल मई में अच्छा सहालग है। काम की बहुत आशाएँ हैं और सभी आइटम की बिक्री की समानताएँ हैं। आने वाले समय के लिये व्यापारियों ने माल की खरीद तो यथा योग्य प्रारम्भ कर दी है। बरेली में ब्लाउज में बॉर्डर की बिक्री अच्छी है। इरोड़ में तेजी कुछ ज्यादा होने के कारण खरीद नहीं की है या बहुत कम खरीद कर रहे हैं। मारकीन (बुरहानपुर) की बिक्री तो जस की तस है। मार्जिन भी नहीं निकल रहा, चूंकि रेट बढ़ने के कारण ग्राहक दाम नहीं दे रहा है। हाँ, इतना अवश्य है कि अप्रैल, मई में जिसके पास माल होगा वही जीतेगा, चूंकि उस समय अच्छी डिमाण्ड रहेगी। कटरा मानराय के हरदिल अजीज व्यापारी सरदार राजपाल सिंह जी (पिंटू भाई) के आकस्मिक निधन से व्यापारी शोक में डूब गये। सभी व्यापारियों ने शोक श्रद्धांजलि दी।

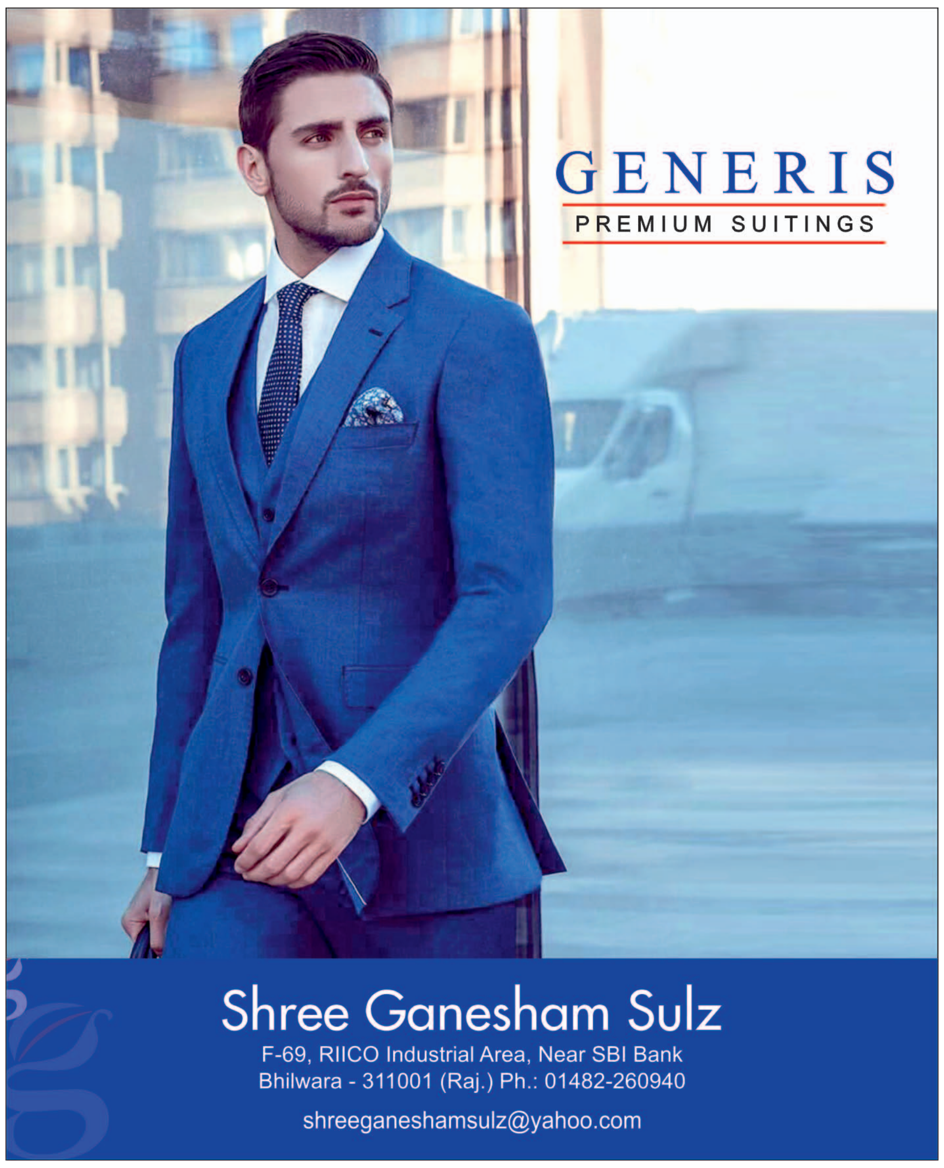

ब्याज अनुदान के कड़े नियम रद्द करने का पावरलूम उद्योग को दिलासा

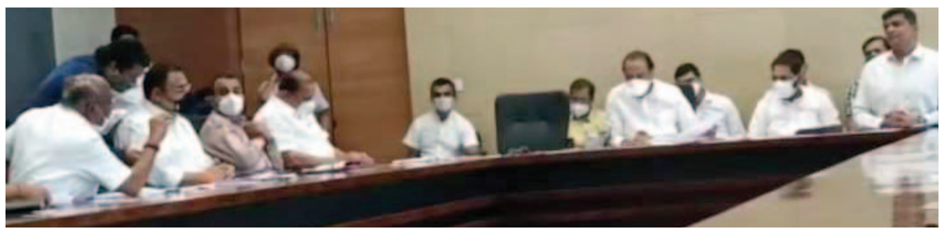

मुंबई में आयोजित पावरलूम उद्योग के लिए उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

कोल्हापुर/ राहुल खाड़े

इन समस्या को होगा हल....पावरलूमधारकों के कर्ज के ब्याज दर में 5 फीसदी ब्याज अनुदान कड़े नियमों के चलते नहीं मिल पाता। इस पर चर्चा करते समय पूर्व के कर्जदार और कर्जदार के नाम पर बिजली कनेक्शन और शेड होना चाहिए। इन कड़े नियमों को हटाया गया।

बिजली दर सहूलियत के साथ पांच फीसदी ब्याज अनुदान की कमियों को लेकर उपमुख्यमंत्री अजित पवार की उपस्थिति में मुंबई में हुई बैठक में सकारात्मक फैसले लिए गए। 27 एचपी के ऊपर के पावरलूम धारकों को 75 पैसे बिजली दर में सहूलियत इससे पहले जाहिर हुई थी। उसपर अमल करने के साथ 5 फीसदी ब्याज अनुदान के दो कड़े नियमों को रद्द करने का फैसला भी लिया गया।

बड़े उद्योग को बिजली दर में सहूलियत देने के बारे में तत्वतः अनुमति इस समय दी गई।समस्या में फंसे पावरलूम उद्योग के लिए राज्य के अर्थसंकल्प में कोई भी प्रावधान नहीं होने से कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त हुई थी। इसके चलते इस उद्योग की समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा करने के बाद फैसला लेने के लिए मंत्रालय में इस बैठक का आयोजन किया था। बैठक लेने के लिए विधायक प्रकाश आवाड़े, मदन कारंडे ने कोशिश की थी।

पावरलूम उद्योग अब समस्या से गुजर रहा है। जिससे इस उद्योग को शासन की मदद की जरूरत है, ऐसी भूमिका विधायक आवाड़े ने ली। उद्योग के हालात बताए। शासन ने अलग अलग सहूलियत देने का फैसला लिया, लेकिन अमल नहीं होने पर विधायक आवाड़े ने नाराजगी जताई।

दिसंबर 2019 से 27 एचपी के ऊपर के पावरलूम बिजली दर में 1 रुपए 22 पैसे की कमी की थी। उसके बाद अप्रैल 2020 से इसमें से 40 पैसे की सहूलियत दी गई और बाकी 75 पैसे सहूलियत की घोषणा मार्च 2020 के अर्थसंकल्प में की गई थी, लेकिन आज तक उस पर अमल नहीं हुआ है। उस पर जल्द अमल करने की मांग बैठक में की गई। मंत्रीमंडल की बैठक में फैसला लेकर उस पर अमल जल्द से किया जाएगा, ऐसा श्री पवार ने स्पष्ट किया। इस बीच बैठक को ऊर्जा मंत्री सर्व श्री नितिन राऊत, ग्राम विकास मंत्री हसन मुश्रीफ, वस्त्रोद्योग मंत्री अस्लम शेख, राज्यमंत्री राजेंद्र पाटिल-यड्रावकर, सहकारमंत्री बालासाहब पाटिल, राज्यमंत्री विश्वजीत कदम, विधायक संजयमामा जाधव, बाबासाहब पाटिल, आसिफ शेख, श्री कारंडे, वस्त्रोद्योग महासंघ के अशोक स्वामी, श्री कारंडे, इचलकरंजी पावरलूम असोसिएशन के अध्यक्ष सतीश कोष्टी, संचालक रफीक खानापुरे, चंद्रकांत पाटिल आदि उपस्थित थे।

शादी विवाह के कारण बाजार में हलचल शुरू

जयपुर/ ओम जैन

शहर में शादी विवाह होने के कारण मार्च माह में लेडीज ग्राहकी देखने को मिल रही है। जौहरी बाजार, लालजी का रास्ता में दिनभर महिलाएँ शादी विवाह की खरीद कर रही है। बेस साड़ी, सूट के शोरूम पर ग्राहकी अच्छी चल रही है।
दिसावर में सभी माल के भाव काफी बढ़ चुके हैं। कॉटन माल में 30 प्रतिशत भावों की तेजी है। तेज भाव में भी जिस माल की डिमांड है वही माल शॉर्ट आ रहा है। ग्रे के सभी माल नए भाव से आ रहे हैं। अप्रैल माह में ग्राहकी अच्छी रहेगी, इस कारण व्यापारी नए भाव में माल ले रहे हैं। पाली बालोतरा में होली के अवकाश कारण से व्यापारी ने अभी अप्रैल माह से ही खरीदी प्रारंभ कर दी है। पोपलीन में भाव की तेजी ज्यादा होने के कारण रिटेल में व्यापारी को माल बेचने में काफी तकलीफ हो रही है। रिटेलर हल्की क्वालिटी का माल ले रहे हैं लेकिन हल्का माल रिटेल में बिक नहीं रहा है।

भिवंडी में ग्रे माल की शॉर्ट सप्लाई होने से बराबर माल आ नहीं रहा है। 60×60 एवं 40×60 में 10 रु मीटर की तेजी है। उसके बाद भी सही माल कम उपलब्ध है। फैंसी माल में भी नई डिजाइंस का माल आ नहीं रहा है। जिस व्यापारी के पास नई डिजाइंस का माल है, वह बिक रहा है। फैंसी माल पाली से भी काफी आ रहा है, टेरी रूबिया अस्तर का हल्का माल बिकना ही बंद हो गया है।

स्कूल यूनिफॉर्म के व्यापारी स्कूल खुलने का इंतजार कर रहे हैं। कोरोना वापस बढ़ने के कारण अभी स्कूल सही रूप से खुल नहीं रहे हैं एवं स्कूल वाले भी ड्रेस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

बाजार में ग्राहकी की शुरूआत

ब्यावर/ अनिल डोसी

बाजार में ग्राहकी की शुरूआत हो गई है। कॉटन व सिंथेटिक में तेजी होने के कारण व्यापारी जरूरत के अनुसार ही माल खरीद रहे हैं। पाली के उत्पादों का हर भाव में काम हो रहा है, जबकि बालोतरा के माल की मांग बनी हुई है, सूरत अहमदाबाद आदि के मालों में सामान्य मांग है। आगे होली से बाजार में अच्छी ग्राहकी चलने की उम्मीद है।

SOKTAS ने किया भव्य सेल्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन

डिस्ट्रीब्यूटर्स ने कराई उम्मीद से बढ़कर बुकिंग

बंगलुरू/ अन्तर्राष्ट्रीय फैशन शर्टिंग ब्राण्ड Soktas ने 6-8 मार्च को बंगलुरू स्थित होटल ऑबेरॉय में शानदार सेल्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। सोक्टास इण्डिया प्रा.लि. की ओर से आयोजित इस 47th सेल्स कॉन्फ्रेंस में कम्पनी के सभी चैनल पार्टनर्स ने भाग लिया। विदित है कि सर्वश्रेष्ठ मेन्स शर्टिंग फैब्रिक ब्राण्ड Soktas का पूरे विश्व में विशाल सेल्स नेटवर्क है। भारत में भी इस ब्राण्ड का एक बड़ा ग्राहक वर्ग है जो Soktas ब्राण्ड की क्वालिटी, डिजाइनिंग एवं इनोवेशन का प्रशंसक है। फैशन क्रिएटर के रूप में पूरी दूनिया में मशहूर इस ब्राण्ड का भारत में भी सशक्त सेल्स नेटवर्क स्थापित है, जिनके माध्यम से भारत के सभी क्षेत्रों में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। सोक्टास इण्डिया प्रा. लि. के सेल्स पार्टनर श्री जुगराज जैन ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में बुकिंग काफी शानदार रही। नये डिजाइंस एवं कलर्स को कॉन्फ्रेंस में काफी पसंद किया गया। कॉन्फ्रेंस में देशभर से आये सभी डिस्ट्रीब्यूटर्स ने आगामी सीजन की अच्छी तैयारी के मद्देनज़र Soktas के शर्टिंग फैब्रिक्स की उम्मीद से बढ़कर बुकिंग करवाई।

अब मण्डियों में अच्छी ग्राहकी

मुजफ्फरनगर/ अजय सिंहल

मुजफ्फरनगर, सहारनपुर आदि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की अधिकांश वस्त्र मण्डियों में अच्छी ग्राहकी देखने को मिल रही है। व्यापारिक गतिविधियाँ अच्छी खासी बनी हुई है, यद्यपि अधिकांश मालों में तेजी के कारण होलसेल में ग्राहकी कुछ सहमी-सहमी सी है। रिटेल में लंहगा चुनरी, पेण्ट-शर्ट, लेडिज सूट, रेडीमेड, हेण्डलूम प्रत्येक सेगमेण्ट में अच्छी ग्राहकी लगातार बनी हुई है। नये चुनिंदा डिजाइन के सूती वस्त्रों की अच्छी बिक्री है। लेडीज सूट में आरामदायक कॉटन प्रिण्ट की अच्छी डिमाण्ड है। प्रधानमंत्री मोदी के जनता को बिना पैनिक दिये कोरोना से निबटने के बयान से राहत तो है, किन्तु महाराष्ट्र आदि विभिन्न स्थानों पर बढ़ते कोरोना ग्राफ से चिंता भी व्याप्त है। मुजफ्फरनगर का हैण्डवर्क सूट देश की अधिकांश मण्डियों में बराबर सप्लाई हो रहा है। हेण्डवर्क सूट के प्रमुख निर्माता श्री अशोक छाबड़ा व श्री भगत राम जलोत्रा के अनुसार कामकाज अच्छे हैं।

भरोसे की परम्परा SGS द्वारा हैदराबाद में एक दिवसीय फैब्रिक डिस्प्ले हुआ सम्पन्न

SGS SUITING•SHIRTING

गेट-टुगेदर में व्यापारियों ने कराई जमकर बुकिंग

हैदराबाद/ भरोसे की परम्परा पर कायम SGS द्वारा अपनी मेगा कॉन्फ्रेंस से मिली अपार सफलता को ध्यान में रखते हुए हैदराबाद में एक दिवसीय फैब्रिक डिस्प्ले कम गेट टू गेदर का आयोजन किया गया। यह आयोजन 14 मार्च 2021 को होटल क्वालिटी इन रेंजिडेन्सी में हुआ। कम्पनी के युवा डायरेक्टर श्री किशोर राठी ने बताया कि इस दिवसीय कॉन्फ्रेंस में साउथ के व्यापारियों ने शिरकत करते हुए कम्पनी के सभी प्रोडक्ट की बुकिंग कराई। आगामी वैवाहिक सीजन हेतु कम्पनी द्वारा अपने सभी इनोवेटिव प्रॉडक्ट रेंज सूटिंग, टीआर के शेड्स, वीव, इम्पोर्टेड डिजाइन्स्, केटलॉग डिजाइन प्रस्तुत किए जो व्यापारियों को काफी पसन्द आए। इस दौरान कम्पनी के सम्पूर्ण मेनेजमेण्ट टीम ने सभी व्यापारियों का स्वागत किया तथा कम्पनी की इस विस्तृत रेंज के बारे में भी जानकारी दी।

सूटिंग-शर्टिंग की क्वालिटी एवं ब्राण्डेड मिल्स उत्पादों का संग्रह

श्री गणेश टेक्सटाइल्स

सिकन्दराबाद/ सन् 1977 से इस क्षेत्र में कार्य करते हुए गणेश टेक्सटाइल्स ने फैब्रिक आपूर्ति में अपनी व्यापक पहचान बनाई है। फर्म के संचालकों में श्री श्रीनिवास मालपानी एवं श्री पुरूषोत्तम मन्त्री के संयुक्त प्रबन्धन से इन्होंने इस क्षेत्र में अच्छी पहचान स्थापित की है।

Distributors for
aanan PREMIUM SUITING SHIRTING
CADINI ITALY Siyaram's Global Venture
Sangam UNIFORMS
BSL LINEN VOGUE la classè
SHRI GANESH TEXTILES
#3-4-258, Prashant Market, Gunj Bazar
SECUNDERABAD-500 003 (T.S.)
Ph.: (O) 040-27898271
Cell: 093947-98271, 098662-06562

प्रमुख उत्पाद... सूटिंग-शर्टिंग सप्लाई में सियाराम (कडिनी), आनन, डोनियर, बेलबोनी, बीएसएल, संगम एवं लिनन वॉग के फैब्रिक की आपूर्ति कर रहे हैं। श्री मालपानी ने बताया कि दक्षिण भारत में ब्राण्डेड मिलों का माल डिमाण्ड से बिकता है। वे कपड़े की आपूर्ति हैदराबाद शहर एवं तैलंगाना की अन्य मण्डियों में करते हैं और इनका बहुत सुदृढ़ नेटवर्क स्थापित है। इनका मानना है कि अच्छे व्यापरियों के साथ व्यापार करने में रुचिकर काम होता है और हमारे मधुर सम्बन्ध एवं कार्य की पारदर्शिता से आज हम व्यापार के बेहतर मुकाम पर हैं। कोरोना काल में जब 18 मई को अनलॉक शुरू हुआ तो ये निर्भय होकर स्वयं की गाड़ी लेकर कस्बों एवं आसपास के क्षेत्रों में निकले। उस समय पेमेण्ट कलेक्शन भी हुआ और मालों की बुकिंग भी की। इन्होंने बताया कि ऑलओवर हमारा व्यापार प्रतिवर्ष की भाँति औसत हो गया है। आगामी सीजन के बारे में बताया कि ऐसा लग रहा है कि मालों की शॉर्टेज रहने की संभावना है और ऐसी स्थितियां उत्पन्न होगी कि रिटेलर्स माल तलाशते फिरेंगे, जबकि वर्तमान में लिनन मालों की उपलब्धता नहीं है और खासकर जो माल चाहिए, वो माल नहीं मिल पा रहा है।

DEEPHARI FANCY SHIRTINGS
DEEP HARI CHARAN TEXTILES
Trade Inquiry For- Agents Requirement
Manufacturers of:
58" & 36" Fancy Shirting
(Starch & Luster) & Jodi Box
(White & White and Colour)
2-2-51/8, Pan Bazar, Opp. Mittal Chambers, Beside UCO Bank Lane, M.G. Road, Secunderabad- 500 003. (telangana)
Mob.: +91 93910-67450, +91 91542-67450

फैन्सी शर्टिंग एवं प्योर लिनन शर्टिंग उत्पादन में किए बेहतर डवलपमेण्ट

दीप हरिचरण टेक्सटाइल्स

सिकन्दराबाद/ स्थानीय कपड़ा मण्डी में युवा उद्यमी श्री दीप चरण अग्रवाल पिछले 26 वर्षों से कपड़ा व्यापार में कार्यरत हैं। इन्होंने शर्टिंग उत्पादन में बेहतर क्रिएशन करते हुए आज अच्छी पहचान बनाई है। वैसे इनके पिताजी 50 वर्ष पूर्व ही कपड़ा व्यापार में कार्य शुरू कर चुके थे।

प्रमुख उत्पाद... इनके अपने ब्राण्ड दीप हरि के अन्तर्गत शर्टिंग का उत्पादन जिसमें 58'' एवं 36'' पने में फैंसी शर्टिंग का निर्माण कर रहे हैं और बाजार की डिमाण्ड एवं चलन के अनुसार फैन्सी एवं प्यॉर लिनन में काफी वैरायटियों का संग्रह है। इन्होंने बताया कि गिफ्ट पैकिंग एवं मिक्स मैच के लिये शर्टिंग की सैकड़ों कलर रेंज में माल 12 महिने उपलब्ध रहता है।

सेल्स एवं विपणन... इनका नेटवर्क वैसे तो सम्पूर्ण तेलगांना, आंध्रा एवं महाराष्ट्र में बेहतर है, लेकिन आज राज्यों की वस्त्र मण्डियों के लिये भी एजेण्ट्स को आमंत्रित कर रहे हैं।

Distributors For:
OCM
GR GIOACHINO ROSSINI
GEORGIA GULLINI
SURESH GARGYA 9391033111
ANKIT GARGYA 9701237728
WF WOLLEN FABRICS
Regd. Office: #2-4-413/14, Plot No. 326 & 327
Ramgopalpet, Nallagutta, Secunderabad - 500 003. T.S.
Email: ankit.gargya@gmail.com

क्वालिटी सूटिंग शर्टिंग आपूर्ति में प्रसिद्ध वूलन फैब्रिक्स

सिकन्दराबाद/ स्थानीय कपड़ा बाजार में होलसेल फैब्रिक सप्लाई में प्रतिष्ठित फर्म वूलन फैब्रिक केवल ब्राण्डेड फैब्रिक आपूर्ति का कारोबार करती है।

फर्म के ऑनर श्री सुरेश चन्द्र गार्गेय काफी लम्बे समय से इस क्षेत्र में व्यापार कर रहे हैं।

20 वर्ष तक इन्होंने धोती विक्रय का कार्य किया एवं 1973 से सूटिंग-शर्टिंग सप्लाई में शुरूआत की। फिर व्यापार में निरन्तर सफलता के साथ 1988 में शीर्ष ब्राण्ड बीएसएल की सूटिंग सप्लाई करने लगे।

सन् 1995 में इसी क्रम में नामचीन ब्राण्ड ओसीएम से जुड़े, तब से एकाधिकार में आज भी सफलतापूर्वक इस ब्राण्ड के उत्पाद सप्लाई कर रहे हैं।

कारोबार की सफलता में एक नाम और जोड़ा जो जार्जिया गुलिनी है, जिससे ये पिछले 12-13 वर्ष से जुड़े हुए हैं और इसकी उम्दा क्वालिटियां व्यापारियों तक पहुँचा रहे हैं।

कपड़ा व्यापार में शानदार अनुभव के साथ स्वयं का ब्राण्ड अपनी सेलवेज नाम से GIOACHINO ROSSINI का उत्पादन कर रहे हैं, जिसमें ऊपर वन टू टेन से लेकर 150 तक माल बना रहे हैं।

कारोबार में इनके युवा पुत्र श्री अंकित गार्गेय भी सन् 2007 से कार्यभार देख रहे हैं। ये ऑस्ट्रेलिया से MBA शिक्षा पूर्ण करने के बाद पुश्तैनी व्यापार में शामिल हुए और आज अच्छा अनुभव हासिल कर चुके हैं।

इनकी मार्केटिंग ऑल इण्डिया में है, जो बेहतर सेल्स नेटवर्क के साथ अच्छे व्यापारियों को माल सप्लाई कर रही है।

श्री अंकित गार्गेय ने बताया कि हमारी सप्लाई कॉर्पोरेट सेक्टर में भी काफी होती है। सूटिंग सेगमेण्ट में सुपर 100 - Terry wool एवं OCM में पीवी फैब्रिक का सिएना ब्राण्ड (SIENA) डिमाण्ड से बिकता है। OCM की सभी क्वालिटियां व्यापारियों की डिमाण्ड अनुसार थोक में सप्लाई की जाती है।

SG Extension
FABRICS & READYMEADS
The Complete Man Raymond SINCE 1925
3-4-79/1, Behind Mahankali Temple
Secunderabad- 500 003, Phone- 040-27720307
Mob.: +91 9392045757

ब्राण्डेड मिलों के कट पीसेज की फुल रेंजों का संग्रह

एमएच कॉर्पोरेशन, आन्ध्रा सेल्स कॉर्पोरेशन

सिकन्दराबाद/ सन् 1979 से स्थापित फर्म एम एच कोर्पोरेशन के ऑनर श्री हरिवल्लभ साँवला ने अपने कारोबार के बारे में बताया कि हमारी फर्म के अन्तर्गत सूटिंग-शर्टिंग के विभिन्न उत्पादों की आपूर्ति की जाती है, जिसमें ब्राण्डेड मिलों की सूटिंग-शर्टिंग की विभिन्न वैरायटियों का माल शामिल है। विशेष बात यह है कि हम तकरीबन प्रत्येक मिल के कटपीस में फुल रेंज रखते हैं, ताकि बायर्स अपने हिसाब से मालों का चयन कर सके। फैंसी फैब्रिक, कॉटन, लिनन, टीआर, पीवी इत्यादि में काफी रेंजें सप्लाई करते हैं। इनका मार्केटिंग क्षेत्र एन्टायर साऊथ व महाराष्ट्र है, जहां वर्तमान में काफी माल सप्लाई किया जा रहा है। इन्होंने बताया कि अभी बाजार में आगामी सीजन से व्यापारियों को काफी उम्मीदें हैं, उसकी तैयारी हम कर रहे हैं।

सदस्यता फॉर्म

SINCE 1998 टेक्सटाइल वर्ल्ड

मान्यवर,

आपको यह जानकारी देते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है कि टेक्सटाइल उद्योग जगत का एक मात्र सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' आज दिल्ली, अमृतसर, लुधियाना, रोहतक, मुम्बई, भिवण्डी, नागपुर, अमरावती, पूना, इचलकरंजी, सोलापुर, सूरत, अहमदाबाद, गोरखपुर, आगरा, कोलकाता, ग्वालियर, रायपुर, उज्जैन, इन्दौर, रांची, हैदराबाद, सिकंदराबाद, कोयम्बटूर,बुरहानपुर, बंगलुरू, चैन्नई, सेलम, मालेगांव, इरोड़, बरेली, मुरादाबाद, भीलवाड़ा, जोधपुर, बालोतरा, पाली, जयपुर, उदयपुर सहित पूरे देश में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सम्पूर्ण टेक्सटाइल क्षेत्र में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार है और यह सब आप जैसे जागरूक पाठकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है।

आपके लिए 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' किस प्रकार उपयोगी है:- क्योंकि यह एक अखबार ही नहीं अपितु एक महत्त्वपूर्ण सूचना प्रदायक दस्तावेज है जिसमें पूरे देश की वस्त्र मण्डियों के समाचारों के साथ-साथ फाइबर से लेकर फैब्रिक, मशीनरी, केमिकल आदि के संबंध में केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जारी महत्त्वपूर्ण नीतियों का समावेश होता है। यह आप के व्यापार की श्रीसमृद्धि में निश्चित रूप से अभिवृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगा।

टेक्सटाइल वर्ल्ड
एक्सिस बैंक खाता संख्या
911020040072253

कोरियर द्वारा पांच वर्ष की सदस्यता पर ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री

नोट - ऑफर सीमित समय के लिये

वर्ष	ऑफर	प्रतियां	कोरियर द्वारा
☐ 1 वर्ष	---------	24	रू. 500
☐ 2 वर्ष	+1 वर्ष की सदस्यता फ्री	72	रू. 1000
☐ 5 वर्ष	ऑल इण्डिया टेक्सटाइल डायरेक्ट्री फ्री	120	रू. 2500

हाँ, मैं 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' समाचार पत्र की सदस्यता प्राप्त करना चाहता हूँ:-

☐ एक वर्ष ☐ तीन वर्ष ☐ पांच वर्ष

नाम एवं पद ....

कम्पनी/फर्म का नाम : ....

पता : ....

..............................पिन कोड नं. ....

मोबाइल नं..............................फोन नं..............................

कैटेगरी:
☐ निर्माता ☐ प्रोसेसर ☐ स्पिनर ☐ निर्यातक ☐ आयातक
☐ एजेण्ट ☐ डीलर ☐ होलसेलर ☐ रिटेलर ☐ डिजाइनर
☐ कंसल्टेंट ☐ इंस्टीट्यूट ☐ अन्य ....

डीलिंग:
☐ सूटिंग ☐ शर्टिंग ☐ साड़ी ☐ ड्रेस मटीरियल ☐ रेडिमेड गारमेण्ट
☐ होजयरी ☐ मशीनरी ☐ केमिकल ☐ यार्न ☐ पैकेजिंग मटीरियल
☐ होम फर्निशिंग ☐ अन्य ....

सदस्यता हेतु चैक/ड्राफ्ट नं. .... दिनांक .... रु. .... 'टेक्सटाइल वर्ल्ड' के नाम से प्रेषित है।

विशेष- यदि आप पत्रकार के रूप में आपके यहां के टेक्सटाइल मार्केट की न्यूज भी हमें भेजना चाहते हैं तो कृपया 08387844798 पर सम्पर्क कर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करालें।

रजिस्टर्ड कार्यालय :- सी-127, आर.के.कॉलोनी, भीलवाड़ा-311 001 (राज.) फोन नं. : 01482-237165
ई-मेल: textileworldtw@gmail.com वेब साइट : www.textileworld.org

सूटिंग-शर्टिंग के सभी ब्राण्ड्स की रिटेल बिक्री में अनुभवी और सफल

पर्ल टेक्सटाइल

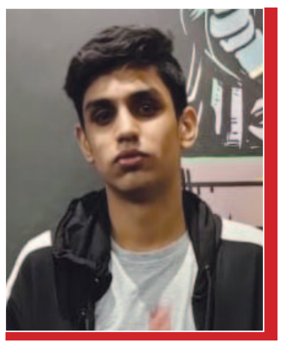

सिकन्दराबाद/ स्थानीय वस्त्र मण्डी में रिटेल बिक्री में बेहतर पहचान बना चुकी पर्ल टेक्सटाइल आज सूटिंग-शर्टिंग के विभिन्न मिल ब्राण्ड्स के कई उत्पाद उपभोक्ता को उपलब्ध कराने में काफी सफलता प्राप्त कर चुकी है। फर्म के संचालक श्री आनन्द सितलानी ने अपने सहज एवं सरल स्वभाव से उपभोक्ताओं में विशेष पहचान बनाई है। इन्होंने काफी लम्बे संघर्ष एवं अनुभव से इस क्षेत्र में 2015 से कार्य का शुभारम्भ किया और सफलता हासिल करने में कामयाब रहे हैं। इससे पूर्व इन्होंने जॉब कार्य में लम्बा अनुभव हासिल करते हुए 2009 से ही अपना व्यापार शुरू कर दिया था।

Arvind FASHIONING POSSIBILITIES Raymond Siyaram's

प्रॉडक्ट... रिटेल काउण्टर बिक्री के लिये ये सूटिंग-शर्टिंग के कई ब्राण्ड्स की बिक्री करते हैं एवं शहर के कई उपभोक्ता इनसे जुड़ चुके हैं। ये अपने उपभोक्ता को टेलरिंग सुविधा भी उपलब्ध कराते हैं, जो अल्प समय में ड्रेस तैयार करके देते हैं। विभिन्न ब्राण्ड्स में रेमण्ड, सियाराम, दिग्जाम, अरविन्द, सेन्चुरी के साथ ही हार्विक ब्राण्ड्स एवं इम्पोर्टेड उत्पाद में प्रिण्टिंग शर्टिंग का बेहतर क्रेज है। शर्टिंग सेक्टर में कॉटन में अच्छी डिमाण्ड है। श्री सितलानी अपने प्रतिष्ठान में सूटलेंथ कपड़ा भी क्वालिटी फैब्रिक सिलाई सहित मात्र 2500 रूपये में उपभोक्ता को बनवाकर उपलब्ध कराते हैं।

ऑनलाइन व्यापार... समय के बदलते ट्रेण्ड्स के मद्देनजर इन्होंने ऑनलाइन व्यापार भी शुरू किया है, जिसमें सूटिंग-शर्टिंग, रेडीमेड गारमेण्ट, शूज, साड़ी, ड्रेस मटीरियल एवं टीशर्ट्स इत्यादि की बिक्री कर रहे हैं। व्यापार में इनकी धर्मपत्नी श्रीमति करिश्मा एवं युवा पुत्र श्री विवेक सितलानी का भी अहम योगदान है। इन्होंने बताया कि भीलवाड़ा निर्मित संकल्प इण्डिया की फैब्रिक यहां काफी सेल होती है। TR क्वालिटियों में उपभोक्ता बेहतर रूचि दिखा रहा है एवं अब क्वालिटी प्रॉडक्ट्स ही बाजार में सेल होंगे।

Pearl Textile Near Mahankali Temple, Subash Road, Secunderabad-3 TELANGANA, Cell: +91-9849449913

सूटिंग शर्टिंग होलसेल बिक्री में बनाई विशेष पहचान निर्मल टेक्सटाइल

हैदराबाद/ स्थानीय कपड़ा बाजार में होलसेल सूटिंग-शर्टिंग आपूर्ति करने वाली फर्म निर्मल टेक्सटाइल ने इस क्षेत्र में बेहतर पहचान बनाई है। कारोबार की शुरूआत स्व. श्री किशनलाल अग्रवाल द्वारा की गई थी और उन्होंने अपनी मेहनत एवं कार्य कुशलता से 44 वर्षों तक निरन्तर व्यापार किया।

व्यापार में इनके युवा पुत्रों में श्री चेतन अग्रवाल एवं श्री अतुल अग्रवाल अपने अनुभव से कार्य कर रहे हैं। श्री चेतन अग्रवाल पिछले 20-22 वर्षों से ही पिताजी के कार्य में हाथ बंटा रहे थे एवं आज ये बेहतर अनुभव हासिल कर चुके हैं।

इन्होंने बताया कि सूटिंग-शर्टिंग की होलसेल सप्लाई में अपनी सहयोगी फर्म केजी टेक्सटाइल्स के साथ ब्राण्डेड मिलों की फैब्रिक का व्यवसाय कर रहे हैं। प्रमुख मिलों में एसजीएस, डोनियर, लिनन फिएस्टा, रेमण्ड, रंजन एवं क्राउन फैब के उत्पाद सप्लाई कर रहे हैं। इनका सेल्स नेटवर्क तेलंगाना एवं कर्नाटक राज्यों की वस्त्र मण्डियों में मजबूत है। श्री चेतन अग्रवाल ने बताया कि कोरोना काल में सबसे बड़ा सबक हमें यह मिला कि उधारी फैलाने से बचना होगा, साथ ही व्यापार के अलावा सेहत पर भी ध्यान देना होगा।

NIRMAL TEXTILES
The Complete Man Raymond SINCE 1925
A/106,Ground Floor, B.G. Textile Market, Rikabgunj Hyderabad- 500 002
Cell.: +91 92991060244, +91 9297458166, Ph.: 040-66140388
K.G. Textiles
3 B/206, First Floor, B.G.Texitles Market, Rikab Gunj, Hyderabad- 500 002
Mob.: +91 9297458166, +91 9030060698
Stockist in: Siyaram's SGS INTERNATIONAL SUITING•SHIRTING DONEAR SUITINGS & SHIRTINGS

सूटिंग शर्टिंग एवं एथेनिक वीयर की सभी टॉप वैरायटियों के साथ मेन्सवीयर के लिये कम्पलीट हाउस

आनन्द बाजार वन

सिकन्दराबाद/ आनन्द बाजार वन आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है। शहरवासियों में खरीदी का महत्वपूर्ण केन्द्र बन चुका यह प्रतिष्ठान मेंन्सवीयर के प्रत्येक क्वालिटी ब्राण्ड्स को सेल करता है, जिसमें उपभोक्ता की डिमाण्ड के आधार पर सूटिंग-शर्टिंग की श्रंखलाबद्ध रेंजें भी शामिल हैं। सन् 1973 में स्व. श्री मूलचन्द सिरवानी के द्वारा कपड़ा व्यापार की शुरूआत की गई थी और अपनी मेहनत और लगन से बेहतर सफलता प्राप्त की। सन् 1978 से इनके पुत्र श्री किशोर सिरवानी कार्यभार देखने लगे और शनैः शनैः इनके अनुभव एवं बेहतर प्रबन्धन से आज यह शहर के उपभोक्ताओं का पसंदीदा घर बन चुका है।

कार्यविस्तार के साथ अब परिवार के सभी सदस्यों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई हैं, जिसके अन्तर्गत इनके पुत्र श्री धीरज सिरवानी, इनके भाई श्री महेश सिरवानी एवं इनके पुत्र श्री मोहित सिरवानी शामिल हैं।

आकर्षण का केन्द्र- डिजाइनर स्टूडियो

हैदराबाद-सिकन्दराबाद शहर में लगभग 2-3 ही इस प्रकार के परिधान आपूर्ति के लिये स्टूडियो बने हुए हैं, जिसमें आनन्द बाजार वन महत्वपूर्ण स्थान रखता है। रेडीमेड परिधानों में बढ़ती डिमाण्ड के तहत इन्होंने रिटेल आउटलेट शुरू किया, जो सफलतापूर्वक गतिशील है। मेन्स मोड कलेक्शन के तहत एथेनिक वीयर, वेडिंग कलेक्शन, इण्डोवेस्टर्न, शेरवानी एवं सूट की मॉडर्न डिजाइनों में उम्दा क्वालिटियां सेल की जा रही है। शहर का यह प्रतिष्ठान सभी उत्पादों के कारण डिजाइनर स्टूडियो के नाम से प्रसिद्ध है, जिसका बेहतर संचालन श्री धीरज सिरवानी कर रहे हैं।

कोरोना महामारी के व्यापार पर प्रभाव के बारे में श्री किशोर भाई ने बताया कि जून से पुनः कार्य आरम्भ किया परन्तु सेल काफी प्रभावित हुई लेकिन सितम्बर, अक्टूबर एवं नवम्बर में व्यापार बेहतर चला, जिसमें व्यापारियों को नया जीवनदान मिला। आगामी सीजन अप्रेल मई से व्यापारियों को बड़ी उम्मीदें हैं। आशा है कि व्यापार बेहतर चलेगा। इन्होंने बताया कि एक ही छत के नीचे उपभोक्ता को सभी ब्राण्ड्स उपलब्ध कराने का हमने जो प्रयास किया, उसमें उपभोक्ता की संतुष्टि एवं जो स्नेह मिला, वह हमारे लिये सबसे बड़ी सम्पत्ति है।

ANAND BAZAR ONE

Exclusive Textile Shop for men
All leading brands under one roof.
THE SHOP YOU CAN TRUST

Raymond SINCE 1925 | SÖKTAŞ INSPIRED ELEGANCE | Mitva NEW GENERATION FABRICS | Arvind FASHIONING POSSIBILITIES | Exclusive Linen COLLECTION | ÀBSOLÜTO THE DESIGN STUDIO | Siyaram's PREMIUM SUITINGS & SHIRTINGS | D&J DON & JULIO SUITINGS | GEORGIA GULLINI | TRUE VALUE | TRUE LINEN

M/s.Anand Bazar, 4-6-238 & 239, Subhash Road Secunderabad-500003 (TS). Mob: 9885003738

कम्पलीट यूनिफॉर्म हाउस बजाज क्रिएशन

ALL UNIFORMS: School, Hotels, Hospitals, Industrial, Corporates & Securities

सिकन्दराबाद/ बजाज क्रिएशन के फाउण्डर एवं ऑनर श्री पूनम बजाज फैब्रिक आपूर्ति में, विशेषकर यूनिफॉर्म सेगमेण्ट में व्यापार को बेहतर रूप से करते हुए इस क्षेत्र में अपनी व्यापक पहचान स्थापित करने में कामयाब रहे हैं। श्री बजाज ने सन् 1983 से कपड़ा व्यापार में कदम रखा, तब से अपनी मेहनत एवं अनुभव से यूनिफॉर्म फैब्रिक सप्लाई में अच्छा कार्य कर रहे हैं।

Cool Comfort

All Linens:
Upholstery & Other Textiles, Home Furnishings, Bed Sheets, Bed Cover, Pillow Covers, Duets Cover, Blankets, Bed Runners, Bath Towel, Hand Towels, Face Towel, Bath Met, etc.

प्रमुख मिल्स ... वैसे तो बजाज क्रिएशन सभी वर्ग के लिये बाजार की मांग के अनुसार आपूर्ति करने में सक्षम है, जिसमें मुख्यतया एस कुमार, कंचन इण्डिया, वाल्जी, बीएसएल, क्यूमैक्स, वॉकीटॉकी, सत्कार, श्री राधे, राधामोहन, संगम इण्डिया, आर्मीलोन, निधि, कोठारी, शुभटेक्स, कल्पतरु, बेगलान एवं रियलवैल्यू के माल की आपूर्ति प्रमुख है।

आपूर्ति ...फैब्रिक सप्लाई में स्कूल, होटल, हॉस्पिटल, इण्डस्ट्रियल, सिक्योरिटी एवं कॉर्पोरेट सेक्टर भी शामिल है। एयरलाइन, केटरिंग के अलावा प्रमुख ब्राण्ड कूल कम्फर्ट के अन्तर्गत upholstery, होम फर्निशिंग, बेडशीट्स, बेडकवर, पिलो कवर, Duets cover, टॉवेल, बाथमेट में सप्लाई के अलावा अन्य टेक्सटाइल्स, की सप्लाई में भी महारत हासिल है। अन्य आपूर्ति में श्री बजाज, मुम्बई निर्मित फैंसी शर्टिंग, गारमेण्ट सप्लाई लिनन, 58'' पने में सप्लाई शामिल है।

BAJAJ CREATIONS

3-4-254, 2nd Floor, Behind Mahankali Temple, Secunderabad-3 TELANGANA
Cell: 098493-86043, 94936-46043, E-mail: bajaj.creations@gmail.com

श्री नाथ एजेन्सी

टेक्सटाइल एजेन्सी कार्य में अर्धशतक पूरा करते हुए श्री मगन भाई अपने पुत्रों के साथ आज भी सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं

SA | श्री | Since 1960

Shreenath Agencies

What has still kept us in business is "Service"

Sparsh-Fab® UNIFORMS

Maganbhai Teli 7416361878 | *Divyesh Teli* 9391037516 | *Abhishek Teli* 9246331878

Selling Agents for : THE RSR MOHOTA MILLS LIMITED - HINGANGHAT & OTHER TEXTILE UNITS

Channel Partners for textile units with 5 decades of cherished existence

3-4-149, B-Shop No. 4&5, 2nd Floor, Kallappa Market, Tobacco Bazar, Secunderabad - 500 003. (A. P.)
Tel (O) : 27899540 (R) : 27903087 Fax : 040-66205260, E-mail: shrinath_agencies@rediffmail.com

सिकन्दराबाद/ स्थानीय वस्त्र मण्डी में क्लॉथ एजेन्सी क्षेत्र में जानी पहचानी फर्म श्री नाथ एजेन्सी गत 50 वर्षों से अधिक समय से कार्य करते हुए अपनी विशेष पहचान बना चुकी है। फर्म की शुरुआत संस्थापक श्री मगन भाई तेली ने की व कड़ी मेहनत एवं कार्यकौशल से निरन्तर विस्तार करते हुए अपनी बेहतर पहचान बनाई। पिछले कई वर्षों से इनके पुत्रों में श्री दिव्येश भाई एवं श्री अभिषेक भाई ने अपने अनुभव एवं मेहनत से कारोबार में काफी विस्तार किया एवं आज कॉटन एवं सिन्थेटिक उत्पादों में देश की कई यूनिटों का कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में मोहता मिल एवं बालोतरा, पाली के उत्पादों की सप्लाई कर रहे हैं, जिसमें पोपलीन, कैम्ब्रिक, मुम्बई-शर्टिंग एवं यूनिफॉर्म फैब्रिक शामिल हैं। ये स्थानीय बाजार में इनकी रिटेल क्षेत्र में भी फर्म संचालित कर रहे हैं, जिसका प्रबन्ध कार्य श्री अभिषेक तेली देख रहे हैं। इस रिटेल कारोबार में फैंसी साड़ी, ड्रेस मटीरियल, कुर्ती, टोरस आदि की सेल कर रहे हैं व इस फर्म में होलसेल कम रिटेल रूप से भी व्यापार कर रहे हैं। फर्म के युवा संचालक श्री अभिषेक भाई ने बताया कि एजेन्सी कार्य में यूनिफॉर्म फैब्रिक का कार्य भी कर रहे हैं, जिसमें प्रमुख ब्राण्ड स्पर्श फैब के उत्पाद सप्लाई कर रहे हैं। अब इस क्षेत्र का अधिक कार्य विस्तार किया जा रहा है। एजेन्सी कार्य में हैदराबाद एवं तेलगांना राज्य की कई वस्त्र मण्डियों में हमारा अच्छा सम्पर्क है, जिसके तहत शीर्ष व्यापारी हमसे जुड़े हुए हैं।

सूटिंग-शर्टिंग आपूर्ति एवं विशेषकर अहमदाबाद निर्मित कॉटन सूटिंग सप्लाई में अग्रणी शर्मा एजेन्सीज

हैदराबाद/ स्थानीय कपड़ा बाजार में प्रतिष्ठित फर्म शर्मा एजेन्सीज द्वारा इस क्षेत्र में पिछले 27 वर्षों से कार्य किया जा रहा है। एजेन्सी के संचालक श्री गोपाल शर्मा अपने अनुभव एवं सम्पर्क से काफी अच्छी पहचान बना चुके हैं एवं कई प्रतिष्ठित घरों से कार्य कर रहे हैं।

ये अपने कारोबार में भीलवाड़ा, मुम्बई एवं अहमदाबाद निर्मित सूटिंग-शर्टिंग की सप्लाई कर रहे हैं, जिनमें भीलवाड़ा सूटिंग, मुम्बई सूटिंग एवं सूरत की इम्पोर्टेड टीआर जेकॉर्ड सम्मिलित हैं। ये अहमदाबाद की कॉटन सूटिंग, शेरवानी, कुर्ती इत्यादि की भी आपूर्ति कर रहे हैं। एजेन्सी में रेडीमेड सेक्टर के लिये अहमदाबाद एवं इचलकरंजी निर्मित मालों की आपूर्ति में ये अपनी विशेष पकड़ बना चुके हैं। यूनिफॉर्म फैब्रिक में स्कूल क्षेत्र के लिये सप्लाई करते हैं। हाल ही में भीलवाड़ा की G-Line सूटिंग कम्पनी से भी जुड़ कर निरन्तर सप्लाई कर रहे हैं। व्यापार में इनके पुत्र श्री राम शर्मा भी सक्रिय सहयोग कर रहे हैं। श्री शर्मा ने बताया कि कोरोना महामारी के चलते कपड़ा व्यापार भी काफी प्रभावित हुआ है। मार्केट स्थिर है एवं पेमेण्ट की समस्या काफी बढ़ गई है।

Sa

SHARMA AGENCIES

Suiting, Shirting, Sarees

21-2-606, 1st Floor, Kesari Sadan, Urdu Gally Patel Market, Hyderabad- 500 002. (T.S.)
Gopal Sharma- +91 98482-26385
Ram Sharma- +91 96525-22917

सूटिंग-शर्टिंग एवं साड़ी कारोबार के लिये प्रतिष्ठित फर्म पृथ्वी टेक्सटाइल एवं पायल साड़ी

सिकन्दराबाद/ स्थानीय वस्त्र व्यापार में अनुभवी श्री प्रकाशचन्द लूनिया सन् 1973 से इस क्षेत्र में कार्यरत रहे हैं। होलसेल कपड़ा सप्लाई के साथ साथ इन्होंने रिटेल कार्य भी शुरू कर दिया। इसी तरह व्यापार में इनोवेशन एवं क्रिएशन के चलते नई पीढ़ी के प्रवेश करने के साथ ही कार्य विस्तार भी किया, जिसमें सहयोगी फर्म पायल साड़ी की स्थापना की, जिसका कार्यभार श्री सुभाष लूनिया देख रहे हैं। इसी क्रम में 1979 में पंकज टेक्सटाइल नाम से सहयोगी फर्म की स्थापना भी की, जिसमें यूनिफॉर्म फैब्रिक एवं साड़ी सेगमेण्ट में सप्लाई की जा रही है।

रिटेल कारोबार... रिटेल क्षेत्र में महाकाली टेम्पल के पास इनका प्रतिष्ठान सभी ब्राण्ड्स के लिये खरीदी का प्रमुख केन्द्र बन चुका है, जहां मिल ब्राण्ड्स की सूटिंग शर्टिंग की काफी चॉईस उपभोक्ता को उपलब्ध कराते हैं। इनके मालों की आपूर्ति तेलंगाना एवं आंध्रा की सभी वस्त्र मण्डियों में हो रहा है। लॉकडाउन के बाद जब बाजार खुले तो व्यापार पुनः पटरी पर आने लगा है, परन्तु पेमेण्ट काफी रुका हुआ है, दूसरी ओर खर्चे काफी बढ़ गए हैं।

PAYAL SAREE CENTRE

PRATHVI TEXTILE

TESSUTI sign of quality | BARUCHE SUPERFINE COTTONS

2-4-487 & 2-4-286 (Part), 1st Floor, Opp. Hanuman Temple, Ramgopalpet, Secunderabad-3
Ph.: 040-27816203, Mob.: +91 9394744527

होलसेल सूटिंग...शर्टिंग का कार्य वृहद स्तर पर होने के बाद श्री महेन्द्र लूनिया व श्री किशोर लूनिया संयुक्त रूप से बेहतर कार्य कर रहे हैं। सूटिंग फैब्रिक में रीड एण्ड टेलर व ओसीएम एवं शर्टिंग में भरूच एवं TSUT के उत्पाद सप्लाई कर रहे हैं।

सूटिंग उत्पादन क्षेत्र में क्वालिटी फैब्रिक एवं वाजिब दाम में सप्लाई करने में अग्रणी संकल्प इण्डिया

MELBORNE SUITINGS ™

भीलवाड़ा/ सन् 2007 में श्री सुभाष अजमेरा ने इस क्षेत्र में कदम रखते हुए सूटिंग उत्पादन में कार्य करते हुए निरन्तर डपलपमेण्ट किए। श्री अजमेरा अपने ब्राण्ड मेलबोर्न सूटिंग के अन्तर्गत सदैव बाजार में ट्रेण्ड अनुसार सूटिंग सेग्मेण्ट की बेहतर क्वालिटियों में प्रॉडक्ट बनाते हैं।

प्रमुख उत्पाद

फर्म वर्तमान में पीवी, लाइक्रा, लिनन एवं फैंसी डिजाइन्स में कई क्वालिटियों में माल बनाकर आपूर्ति कर रही है। इसमें प्लेन, चैक्स व लाइक्रा, सहित लगभग 250 क्वालिटीज में सूटिंग उत्पादों का निर्माण कर रही है। इनकी लाइक्रा में तुलिप, लाइक्रा, वैल्यू एवं फिलाफिल व वेडिंग गिफ्ट उत्पादों में सफायर साइनर ट्विल इत्यादि क्वालिटियां बाजार में डिमाण्ड के साथ बिकती है।

मार्केटिंग एवं सेल्स... फर्म का व्यापार एजेण्ट-डीलर बेस पद्धती के आधार पर किया जा रहा है, जिसमें देश की कई वस्त्र मण्डियों में नेटवर्क स्थापित है। दक्षिण भारत की सभी वस्त्र मण्डियों के साथ सभी मेट्रो शहर में माल सप्लाई किया जा रहा है। दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, बंगलुरू, चैन्नई, हैदराबाद एवं अहमदाबाद में विशेष रूप से मजबूत सेल्स नेटवर्क स्थापित है।

KAMDAARS

TEXTILE AGENCY
IN LEADING BRANDS

4-4-53, Gunj Bazar,
Beside Mahakali Police Station,
Secunderabad-3 T.S.
Ph.: 040-27701292/93, 42012072
Mob.: +91 8790596517
Email: kamdaar@yahoo.in

सम्पादकीय....

कोरोना की दूसरी लहर की आशंका

लग रहा था कि अब कोरोना संक्रमण का खतरा टल गया है। पूरे देश से सं मण के घटते हुए आंकड़े आने लगे थे। इस बीच कोरोना के टीके लगने शुरू हुए तो विश्वास बनता गया कि इस विषाणु को अब जड़ से उखाड़ फेंकने में मदद मिलेगी। मगर अचानक फिर इसने अपने पैर पसारने शुरू कर दिए। रोज इसका रुख उठान पर नजर आने लगा है।

बुधवार को साढ़े चौंतीस हजार से अधिक मामले दर्ज हुए। इस समय देश के करीब सित्तर जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, केरल, पंजाब आदि कुछ राज्यों में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। इसे कोरोना की दूसरी लहर बताया जा रहा है। कुछ राज्य रात का कर्फ्यू और कुछ जगहों पर बंदी तक का कदम उठाने लगे हैं। महाराष्ट्र के कुछ इलाके इस विषाणु की चपेट में अधिक देखे जा रहे हैं, इसलिए वहां कुछ शहरों में सख्त बंदी की गई है। इस दूसरी लहर के खतरों को देखते हुए स्वाभाविक ही प्रधानमंत्री ने बुधवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों को संबोधित करते हुए आह्वान किया कि इसे रोकने के लिए जितना जल्दी हो सके, व्यावहारिक कदम उठाने की जरूरत है।

यों कोरोना का सं मण पूरी तरह कभी खत्म नहीं हुआ था, कुछ जगहों पर काफी कम जरूर हो गया था। इस विषाणु की उपस्थिति कमोबेश हर जगह बनी हुई थी। इसलिए बार-बार सावधानी बरतने की हिदायत दी जा रही थी, मगर ज्यादातर लोगों ने जैसे मान लिया था कि बंदी हटने का मतलब है कि कोरोना का खतरा समाप्त हो गया। बाजारों, सार्वजनिक वाहनों आदि में पहले की तरह भीड़भाड़ और धक्का-मुक्की शुरू हो गई। महाराष्ट्र में सं मण के मामले लगातार सबसे अधिक दर्ज हो रहे थे, मगर वहां लोगों में लापरवाही का आलम बना रहा।

ऐसे में इसके फिर से फैलने का वातावरण बना और सरकारों के सामने चुनौती पेश आने लगी है कि इस पर कैसे काबू पाया जाए। पूर्णबंदी के परिणामों को देखते हुए अब कोई भी सरकार पूरी तरह से बाजार, कार्यालय, सार्वजनिक वाहनों को बंद करने का फैसला नहीं करना चाहेगी। ऐसे में आम लोगों से ही अपेक्षा की जाती है कि वे खुद सावधानी बरतें, मगर फिर भी लोग मनमानी से बाज नहीं आ रहे, तो कुछ कड़े कदम उठाने पड़ रहे हैं। विचित्र बात यह है कि दूसरों की न सही, लोगों को अपनी सेहत की भी चिंता नहीं हो रही।

कोरोना के टीके पूरे देश में लगाए जा रहे हैं, अब तो निजी अस्पतालों में भी कुछ पैसे खर्च करके इन्हें लगाने की सुविधा उपलब्ध है। इसके बावजूद लोगों में इसे लेकर हिचक बनी हुई है। शुरू में कुछ विपक्षी दलों और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने इन टीकों पर कुछ सवाल क्या उठा दिए, लोगों का भ्रम गाढ़ा होता गया। इस बीच इन टीकों के गंभीर दुष्परिणाम नजर नहीं आए हैं, फिर भी लोग इसके लिए आगे नहीं आ रहे। इसकी वजह से टीके की खुराक रोज भारी मात्रा में बर्बाद हो रही है। जो समस्याएं लोगों की जागरूकता और आपसी सहयोग से दूर की जा सकती हैं, उनके लिए भी अगर सरकारों और अदालतों को कठोर कदम उठाने पड़ें, तो इसे कोई अच्छी बात नहीं माना जा सकता। कोरोना की दूसरी लहर उठने के पीछे बड़ा कारण लोगों का अपेक्षित सावधानी न बरतना है। अगर वे उचित दूरी बनाए रखने, नाक-मुंह ढकने, हाथ धोते रहने और प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले आहार लेने, दिनचर्या ठीक रखने, टीका लगवाने का प्रयास करें, तो वे इस समस्या से पार पाने में काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

सावों की खरीददारी शुरू

उदयपुर / नवीन कोठारी

18 अप्रैल को शुक्रतारा उदय होने के बाद 22 अप्रैल से सावे शुरू हो जाएंगे। लगभग एक माह बाद शुरू होने वाले सावों की खरीददारी से वस्त्र बाजार में चहल-पहल हो गई है। स्थानीय वस्त्र बाजार में काफी समय से सुस्ती का आलम था। आने वाले वैवाहिक सीजन की तैयारी व्यापारियों ने काफी समय पहले से ही आरंभ कर ली थी। साड़ी व्यापारियों के अनुसार वैवाहिक वस्त्र ओढ़ने व बेस को तैयार करवाने में समय लगता है, हाजिर में अपनी पसंद की पोशाक उपलब्ध होना मुश्किल रहता है, इसीलिए वेडिंग ड्रेसें बहुत पहले ही तैयार करवानी पड़ती है। फिर इन ड्रेसों को तैयार करने वाले कारीगरों की भी सीजन में कमी रहती है। यही समस्या दूल्हे की पोशाक तैयार करवाने में आती है। पहले के समय पर नजर डालें तो अभी हर प्रकार के प्रचलन में बहुत बदलाव आया है। व्यंजन से लेकर वेशभूषा तक में बहुत परिवर्तन हुआ है। टी.वी. सीरियल और फिल्मी दुनिया का असर आमजन के मन मस्तिक में घुस चुका है, हालाकि इन कारणों से नये-नये व्यापार को बढ़ावा ही मिला और वेडिंग का सीधा सीधा असर वस्त्र एवं आभूषणों पर पड़ा है। इससे इन धंधों में विस्तृत श्रृंखला का जन्म हुआ है। सावों के अलावा अगर अन्य वस्त्रों पर नजर डालें तो उनकी खरीददारी भी इन दिनों बढ़ी है। सर्दी अब पूरी तरह से विदा हो गई और गर्मी ने दस्तक दे दी है। यही कारण है कि कॉटन वस्त्रों की पूछ परख शुरू हो गई है। जानकारों की मानें तो इस बार कॉटन वस्त्रों की बिक्री में उछाल आने की उम्मीद है।

परम पूज्य माधव गो विज्ञान अनुसंधान संस्थान की ओर से पंचगव्य औषधि केंद्र का शुभारंभ

भीलवाड़ा/ धन्वन्तरी महाराज ने आयुर्वेद की बहुजन हिताय व बहुजन सुखाय के लिए रचना की थी। आयुर्वेद रोग का जड़ से निवारण की सबसे सफल पद्धति है। यह बात संरक्षक श्री डीपी अग्रवाल ने महाशिवरात्रि के पावन पर्व के उपलक्ष्य में परम पूज्य माधव गो विज्ञान अनुसंधान संस्थान, नौगांवा के उत्पादों के पंचगव्य औषधि केंद्र का शुभारंभ करते हुए कही। टेक्सटाइल ट्रेड सेंटर 29 नंबर शॉप दूदूवाला परिसर गांधीनगर में स्थित इस केंद्र पर वैद्य सत्यनारायण न्याती प्रतिदिन दोपहर 12 से 3 बजे तक सेवाएं देंगे। विपणन केंद्र सुबह 10 से शाम 7 बजे तक खुला रहेगा। केंद्र प्रमुख श्री कैलाश लढ़ा भी सेवाएं देंगे।

यह जानकारी देते हुए श्री सांवरिया सेठ मंदिर समिति नौगांवा के संयोजक श्री गोविंद प्रसाद सोडानी ने बताया कि भीलवाड़ा शहर के लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर के मध्य यह विपणन केंद्र खोला गया है। इसकी आवश्यकता बहुत लंबे समय से महसूस की जा रही थी। उसी को ध्यान में रखते हुए इस केंद्र को आरंभ किया गया है। केंद्र पर माधव गो विज्ञान अनुसंधान संस्थान की औषधियां मिलेगी। संस्थान के सचिव श्री सत्यप्रकाश गग्गड़ ने बताया कि पंचगव्य से निर्मित यह औषधियां अनेक असाध्य रोगों को ठीक करने में सक्षम है। पंचगव्य से निर्मित औषधियां अब तो विश्वव्यापी पेटेंट भी ले चुकी है। इस केंद्र पर नौगांवा रसायन शाला में बनने वाले सभी उत्पाद मिलेंगे। संस्थान के अध्यक्ष श्री राजकुमार बम्ब ने बताया कि केंद्र के शुभारंभ पर सांसद श्री सुभाष बहेड़िया, सभापति श्री राकेश पाठक, उपसभापति श्री रामलाल योगी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री लादू लाल तेली, कलेक्ट्रेट के सहायक लेखा अधिकारी श्री गोपाल लाल बांगड़, वैद्य श्री दुर्गा प्रसाद शर्मा, वैद्य श्री अनंत ओझा, श्री सत्यनारायण नवाल, रोशनलाल मोड़, डॉ. शंकर लाल माली, श्री चांदमल सोमाणी, सहित प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित थे।

माधव गौशाला ने तैयार किए 2 लाख कंडे ताकि होलिका दहन के लिए ना कटे हरे पेड़

बड़बूलों की मालाएँ व हर्बल गुलाल भी की जा रही है तैयार

भीलवाड़ा में होलिका दहन को लेकर जिले के नोगांवा स्थित माधव गौशाला ने सराहनीय कदम उठाया है। गौशाला की ओर से पेड़ों के संरक्षण के लिए गाय के गोबर से बने कण्डों से होलिका दहन करने का अभियान प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी शुरू किया है। परम पूज्य माधव गो विज्ञान अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित इस गोशाला ने होलिका दहन आयोजन समितियों से आग्रह किया है कि वह हरे पेड़ों की बलि नहीं देकर कण्डों से होली जलाएं। माधव गौशाला में 2 लाख से अधिक गोबर के कंडे तैयार करवाए गए हैं। हजारों की तादाद में होलिका को अर्पित करने के लिए बड़बुलों की मालाएं भी तैयार की गई हैं। इस बार गुलाब, पालक सहित अन्य प्राकृतिक वस्तुओं से हर्बल गुलाल भी तैयार किया जा रहा है।

वैदिक पद्धति द्वारा करें होलिका दहन

होलिका दहन के लिए कण्डों के निर्माण के साथ ही गौशाला द्वारा वैदिक पद्धति से होलिका दहन करने का भी आग्रह किया जा रहा है। गोबर के कंडे के साथ ही विभिन्न वृक्षों के तनों, पत्तियों व औषधियों को गाय के देसी घी में मिलाकर होलिका दहन के दौरान आहुतियां देने की पद्धति को वैदिक पद्धति दहन कहा जाता है।

पेज 1 का शेष....हेल्पलाइन पोर्टल करेगा...

पाकिस्तान भी परेशान....कॉटन यार्न के बढ़ते भाव और कमजोर सप्लाई के कारण पाकिस्तान के फैब्रिक निर्माताओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उन्होंने भारत से कॉटन और कॉटन यार्न के आयात की अनुमति देने की मांग की है। पाकिस्तान में कॉटन का उत्पादन लगातार कम हो रहा है, जबकि वहों पर कॉटन और कॉटन की मांग निरंतर बढ़ रही है। पुलवामा कांड के बाद पाकिस्तान ने भारत से कॉटन और कॉटन यार्न के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था।
चीन की मांग बढ़ी... निर्यातकों से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पिछले कुछ महिनों में चीन की कॉटन यार्न के आयात की मांग में भारी वृद्धि हुई है। 2020 में चीन ने कुल 21,580 लाख किलो कॉटन यार्न का आयात किया था तथा इस वर्ष उसके आयात में और बढ़ोतरी का अनुमान है। गत वर्ष चीन ने अपने कुल कॉटन यार्न के आयात में से लगभग 2,530 लाख किलो का आयात किया था।
उज्बेकिस्तान से कॉटन यार्न निर्यात अधिक...सूत्रों के अनुसार उज्बेकिस्तान से टेक्सटाइल आईटमों के कुल निर्यात में कॉटन यार्न के निर्यात की हिस्सेदारी बढ़ रही है। वर्ष 2020 में कुल टेक्सटाइल निर्यात में कॉटन यार्न की हिस्सेदारी बढ़कर 50.70 प्रतिशत हो गई थी। वहां से कुल 1.86 बिलियन डॉलर मूल्य के टेक्सटाइल आईटमों का निर्यात किया गया था, जो 2019 की तुलना में लगभग 21 प्रतिशत अधिक था। कुल निर्यात में कॉटन यार्न की हिस्सेदारी 50.7 प्रतिशत थी, जबकि निटवियर और गारमेंट की हिस्सेदारी 36.3 प्रतिशत थी। वहां से सबसे अधिक निर्यात रूस को किया गया था, जबकि दूसरा स्थान चीन का था।

यार्न रेट्स — Yarn Rate+GST

20 मार्च, 2021

G.I.S. COTTON MILLS LTD.

PH.329333, 93525-70138

32 PC	NA
2/30 PC TFO	NA
2/40 PC Dimond	NA
2/40 PC White Gold	NA
2/30 Black Poly	NA
1/18 Black Poly	NA

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	215
2/40 Dyed	253
2/50 Dyed	305

ANAND SPINNERS

PH. 260780, 9829046961

2/32 Pvt HD Solid	NA
2/32 Pvt HD Frosted	NA
2/32 Pvt HD Grindle	NA
2/40 Pvt HD Solid	NA
2/40 Pvt HD Frosted	NA

ARHAM SPINNING MILLS

NAHAR GROUP

PH. 230720, 9414114056

2/40 PC Combed TFO	250
2/40 P/C Elitwist	230
2/40 Cotton Elitwist	235
2/30 Cotton Corded TFO	205
2/36 Cotton Elitwist	-----
2/36 P/C	-----
Cotton Lycra 1/14	-----
Cotton Lycra 1/16	215
Cotton Lycra 1/12	205
2/30 PV Local TFO	196

SUCHITA MARKETING PVT. LTD.

PH. 93525-36382, 94141-44161

2/30 Poly Grey	170 + GST
30 Poly Grey	155 + GST
2/30 Black	185 + GST
320 Text DMS	109 + GST

RELIANCE CHEMOTEX LTD.

PH. 247711, 98290-45352

2/30 Solid	210
2/40 Solid TFO	250
25 Syro	-----
2/30 Frosted	209
2/30 Black	202
2/40 Black	235

HIND SYNTEX LTD.

PH. 247916, 94141-15916

2/15 Gray Blanded	172+GST
2/30 PV	200+GST
2/20 PV 65/35	NA
15S PV	160+GST
2/24 PV	190+GST
2/30 Polyester TFO	165+GST
2/20 Polyester TFO	NA

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900, 96604-14405

2/30 100% Polyester Gray	150
2/30 65/35 Black	215
2/30 65/35 Gray	190
2/40 65/35 Black	250
2/30 PV 65/35 Havy Dark Dyed	230

Ratan Barjatiya Yarn Spinners P. Ltd.

PH. 94141413144

JAGDAMBA SPINNING MILLS

2/30 PV GREY	202
2/24 PV GREY	194
2/20 PV GREY	186
2/18 PV GREY	178
2/15 PV GREY	170
1/20 PV GREY	165
1/15 PV GREY	158
1/10 PV GREY	156
2/30 POLY GREY	170
2/24 POLY GREY	164
2/20 POLY GREY	158
2/15 POLY GREY	150
1/15 PLOY GREY	140
1/10 POLY GREY	136
1/8 POLY GREY	136

SIVANTA SPG.

2/40 PV GREY	235
2/30 PV GREY	198
1/40 PV GREY	158
2/30 POLY GREY	170
1/15 POLY GREY	138

ANKUR UDYOG

2/30 PV GREY	198
1/15 PV GREY	158
2/30 POLY GREY	170
1/15 POLY GREY	138

K.K. SPINTEX PVT. LTD.

2/60 PV GREY	320
2/50 PV GREY	280
2/40 PV GREY	240

(Rs. 6/- Extra for R.T. Yarn)

BANSWARA SYNTEX LTD.

PH. 247656, 94141-11656

1/20 SILKY	219	2/40 PVT TBL Frosted Thrill	207
1/20 DYED LYCRA	315	2/40 PVT Fancy Thrill	219
1/20 DYED 65/35 HT	215	2/40 PVT Fancy Thrill 45/24	232
1/30 Dyeds Fancy	251	2/50 Dyeds Non TBL	320
2/30 Dyeds NTBL Frosted	225	**Grey**	
2/30 Airjet DYED 65/35	225	2/40 AIRJET DYED	249
2/28 Dyed Lycra	310	2/38 LYCRA DYED	335
2/40 Dyeds Non TBLMelange	263	2/48 LYCRA DYED	353

Shri Raj. Texchem Ltd. Shri Raj. Syntex Rajasthan Polycot

PH. 74278-96688

1/15 PV Gray	154
2/15 Grey TFO	166
2/30 PV Grey	192
2/30 Poly	165
2/18 PV Grey	172
2/24 Poly Grey	185

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 94141-12130

2/30 NTBL	233
2/18 Dyed	206
2/40 Dyed	273
2/50 Dyed	323
2/30 Frosted	221
2/30 Dyed Slub	-----
2/30 Polyster	-----
2/30 School Dress Clourer	-----

R.T.M

PH. 24766, 93140-32404

2/30 Dyed Ntbl	240
2/40 Dyed	268
2/30 Frosted	228
2/30 Cotton Carded	-----
30^s Cotton Comded	-----
30^s Cotton Comded Weaving	-----
30^s Cotton Semi Combed	-----
24^s Cotton Comded	-----

Birla Tex Mills

2/30 Cotton Carded	-----
30^s Cotton Compact	-----
30^s Cotton Com bed Weaving	-----
2/30 Cotton	-----
2/18 Dyed	192

Courtesy By Suresh Saraf, Mumbai

M 9322504449

150/0/ Grey Roto	099
150/350 Grey	112
150/108/350	114
80/72 Fulldull	98
480 Roto	091
640 Roto	092
150 Black DPD	097

SIYARAM SILK MILLS

Space Dyes Yarn	160
150/350 Dyed	160

Kishangarh Yarn Bazar

PH. 98297-21313
JAGDISHKOTHIWAL
CON YARN (Per 5 K.G.)

16 Arihant Viscous	595
16 Vardhaman ND	-----
20 Patiyala Silver	835
20^s Puja viscous	650
16^s cottspin	590
20^s Mahadev	830
23 JS Viscous	700
20 VISCOUS	645
20 PREMIER.	810
20 Gc Thread Warp	835
20 JS	645
23 Solan	700
23 G.C. Nala Gragh	865

GST Paid

NKCM GROUP

Mob: 093611-98787

Quality	RATE
30's VSf	212
40's VSf	240
2/40' s VSf	260
30 SLUB	230
30's HT	----
13' Cotton flax	----
20 Cotton flax	----

SIDDHESHWAR TEXTILES

PH. 94141-12223, 94130-57855

Polyester Silkon Yarn

Quality	RATE
150/2-310 Dyed	170.00
100/2-210 Dyed	190.00
150/2-310 White	155.00
150/2-310 Colour	
Pulus Bright	155.00
150/2-310 Catonic Bright	165.00

VISCOSE RAYON YARN

Quality	RATE
180/2 Viscose Rayon	385.0
150/2 Viscose Rayon	435.0
100/3 & 120/3 Viscose Rayon	435.0

Other Yarn

Quality	RATE
2/30 Viscose	
100% Grey	220.00
2/40 Acrylic	
100% Grey	335.00
2/30 Acrylic	
100% Golden	365.00
2/30 Acrylic	
100% Golden Pear	415.00
400 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silver	350.00
225 Dn. Metallic Yarn	
Gold/ Silve	450.00
150/350 SD	
Grey Tex	132.00
150/350 SD	
Black Tex	-------
150/400 SD	
Black Tex	-------
200/96/300 SD	
Black Tex	-------
330 Dn Black	
Hores	-------
400 Dn Black	
Miracle	-------
400 Dn White Miracle	-------

SUDHA TEXTILE AGENCY

PH. 94142-62143
150/2 Bright Dyed 170+Vat
180/2 Rayon Dyed 365+Vat
150/2 Bright White 140+Vat

Raghav Group

M. 94141-11402, 93144-66747
Raghav Agency Trident Ltd.

1/10 OE	145
1/14 OE	160
1/16 OE	165
1/20 OE	182
30 KW	215
30 CW	242
2/40 CW ELLY	240
30 CW COMPACT	250
40 CW COMPACT	270
60 CW COMPACT	328
50 CW COMPACT	229

Ankur Udyoug

1/30 Polyester 100%	144+GST
1/20 Polyester 100%	139+GST
1/15 Polyester 100%	133+GST

Sidhartha Super Spinning Mills

2/15 P/V Dyed OG	180+GST
2/18 P/V Black	160+GST
2/30 P/V Black	190+GST

LNJ DENIM

6 OE	145
7 OE	146
8 OE	149
9 OE	-----
10 OE	152
10 Lycra	220
16 Lycra	230
10 Slub Lycra	230
16 Slub Lycra	-----

SRM SPINNERS LIMITED

2/30 P/V Black	-----
2/18 P/V Black	-----

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed	162 +GST
2/30 Cone Dyed	190 +GST
150 HIM Cone Dyed	152 +GST
300 HIM Cone Dyed	151 +GST
150/400 Gray	125 +GST

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

MAHABIR

2/30 P/V	220
2/40 P/V	250
1/20 P/V	190
1/15 P/V	180

Janvi

15 Psy	148

ANKUR

2/30 Psy	184

TRIVENI

2/30 Black	195

Inclusive of 12 % GST

टेक्सटाइल वर्ल्ड
यार्न रेट्स और समाचार पत्र प्राप्त करनें के लिये सम्पर्क करें।
फोन न. 01482-237165, मो. 8387844798

VALSON INDUSTRIES LTD.

PH. 94141-12223, 94130-57855 (Exclusive of GST)

Dyed Yarn

Quality	LT/MD	DARK
150/0 Weft Dyed	217.00	207.50
150/0 Rotto Dyed	222.00	232.00
150/350 Cone Dyed	233.00	243.00
85/0 Rotto Dyed	231.00	241.00
85/300 Dyed	231.00	241.00
85 Royal Rotto Twist Dyed	249.00	259.00
80/72 Rotto Cotluk Dyed	256.00	266.00
80/34/600 Dyed Yarn	261.50	271.50
150/350 Bright Dyed	268.00	278.00

Grey Yarn

Denier	Net Rate
80/300 Grey Yarn	136.00
80 Royal Warp Rotto	138.00
80/72/2 Royal Warp Catonic	162.00
80/72/2 FD Cotlook HIM	164.00
80/2/72/300 FD Roto	191.00
80 Roto White Yarn	174.00
150/325 Twisted Grey	145.00
150/325 Dope Dyed Black	150.00
150/500 Dope Dyed Black	149.00
155/2/250 Twisted Grey	153.00

Fancy Yarn-

250 Galaxy	274.00	2/45 Innova Dyed	234.00
160 Tex Space Dyed Sober	229.00	170/350 Bright Space Dyed	215.00
160 Bright Space Dyed	229.00	170/350 Sundram	234.00

PANIPAT YARN

Mob: 9416031498

TEXTURISE

150 Roto Grey	110-120
150 Roto Black	115-120
150 Roto Bright	120-130
150 Roto Dyed	120-130
150/250 Roto Grey	125
150/250 Roto Dyed	149-160
150 Fdy	105

P.V. Yarn

2/30 Grey CL	170
2/40 POLY	180
2/15 Poly CL	125
2/20 Poly CL	133
20 Poly	119-134

Cotton Yarn

4 CONE	55-69
6 CONE	60-90
8 CONE	75-100
10 CONE	75-100
2/4 CONE	60-82
2/6 CONE	75-110
2/8 CONE	84-120
2/10 CONE	85-130
2/20 CONE	145-185
2/30 CONE	225
2/40 CONE	255

STAPLE YARN

10 CONE	198
15 CONE	200
20 CONE	205
2/15 CONE	208
2/40 CONE	259

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428 (M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg

30/62 Alpine	220 + GST
2/60 PVT	230 + GST
2/60 Polyster	260 + GST
2/80 PC Combed	355+ GST
2/76 Polyster	260+ GST
2/60 P.V.	265+ GST

सत्कार ग्रुप की नवीनतम पेशकश

LA-PIANO ने पेश किए नये डवलपमेण्ट्स

नये कलर्स एवं आकर्षक डिजाइन्स में फैंसी सूटिंग का फाइनेस्ट कलेक्शन

भीलवाड़ा/ प्रीमियम सूटिंग उत्पादन में अग्रणी सत्कार ग्रुप की कम्पनी 'श्री राधे सिल्क मिल्स' द्वारा LA-PIANO ब्राण्ड के तहत नये आकर्षक कलर्स एवं डिजाइंस में नई रेंज पेश की गई है, जिसे बाजार में अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। विदित है कि पिछले साल अपने अमूल्य ग्राहकों के लिए कम्पनी ने एक्स्ट्रा फाइन सूटिंग ब्राण्ड LA-PIANO लॉन्च किया था। मात्र एक वर्ष के अल्प समय में ही इस ब्राण्ड को बाजार से अच्छी प्रतिक्रिया मिली, वहीं व्यापारियों की कसौटी एवं उपभोक्ताओं की पसंद पर खरा उतरते ही कम्पनी लगातार LA-PIANO ब्राण्ड में नये-नये कलेक्शन प्रस्तुत करती आ रही है। कम्पनी के डायरेक्टर श्री जयप्रकाश सोडानी ने मुलाकात के दौरान बताया कि बाजार से मिले अच्छे रिस्पॉन्स के चलते हम LA-PIANO ब्राण्ड के तहत नये नये इनोवेशन्स कर रहे हैं। हाल ही कम्पनी ने पीवी बेस्ड फैब्रिक्स में हाई ट्विस्ट, केटोनिक, टीआर, पीवी वर्स्टेड जैसी रेंज आकर्षक कलर्स एवं डिजाइंस में तैयार की है। मिल स्टेण्डर्ड की क्वालिटी एवं सुपर फिनिश में तैयार LA-PIANO ब्राण्ड की सूटिंग रेंज में कम्पनी लगातार नये-नये शोध कर रही है।

LA PIANO
LUXURY ITALIAN FABRIC

वाइडेस्ट रेंज - फाइनेस्ट क्वालिटी...

सत्कार ग्रुप के कपड़े की क्वालिटी एवं गुणवत्ता का देशभर में प्रशंसक वर्ग है, जो इसके कपड़े की सालों से बिक्री कर रहा है। इस ग्रुप की यूनिट श्री राधे सिल्क मिल्स भी अपनी अद्वितीय कार्यशैली के लिए देश भर में विख्यात है। इसके फाउण्डर एवं डायेक्टर श्री गोविन्द प्रसाद सोडानी के नेतृत्व में श्री राधे सुल्ज ब्राण्ड ने वाइडेस्ट रेंज एवं फाइनेस्ट क्वालिटी के जरिये राष्ट्रीय स्तर पर पहचान कायम की है। इस समय श्री राधे सुल्ज ब्राण्ड के तहत जेकार्ड, प्रिण्ट, डोबीज, चैक्स डिजाइंस में सैकड़ों नये कलर्स एवं डिजाइंस में सूटिंग फैब्रिक्स का उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।

वैल्यू फॉर मनी प्रॉडक्ट...

श्री राधे सिल्क मिल्स के सभी उत्पाद वैल्यू फॉर मनी हैं। फैशन पसंद सभी आयु वर्ग के पुरुषों के लिए कम्पनी सर्वोत्तम क्वालिटी का कपड़ा वाजिब दरों में उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ अनवरत प्रगति पथ पर अग्रसर है।

नये डीलर नेटवर्क पर जोर...

श्री राधे सिल्क मिल्स के मुख्य ब्राण्ड 'श्री राधे सुल्ज' का राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ नेटवर्क स्थापित है। अब कम्पनी LA-PIANO ब्राण्ड के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नये डीलर नेटवर्क का विस्तार कर रही है। बाजार में भी कम्पनी के इस उत्पाद की अच्छी मांग देखी जा रही है।

TAI-MP UNIT द्वारा आयोजित 76th ऑल इंडिया टेक्सटाइल कॉन्फ्रेंस सफलतापूर्वक संपन्न

इंदौर/ मनोहर बतरेजा...एक समय में वैश्विक वस्त्र उद्योग में अपनी अलग पहचान रखने वाला इंदौर शहर अब इस क्षेत्र में पिछड़ता जा रहा है। इंदौर को एक बार फिर वस्त्र उद्योग का सिरमौर बनाने के उद्देश्य से जाल सभागृह में टेक्सटाइल एसोसिएशन (इंडिया), एमपी युनिट द्वारा आयोजित दो दिवसीय 76th ऑल इंडिया टेक्सटाइल कॉन्फ्रेंस 5-6 मार्च को आयोजित की गई। इस कॉन्फ्रेंस में देश भर से वस्त्र उद्योग से जुड़े व्यापारी और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हुए। 'फाइबर टू फैशन' थीम पर आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में धागा तैयार करने से लेकर, कपड़ा बुनने, प्रिंटिंग करने और अंत में उससे फैशनेबल ड्रेसेस तैयार करने तक की हर प्रक्रिया से जुड़े लोग शामिल हुए। कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता सांसद श्री शंकर लालवानी ने की। कार्यक्रम के विशेष अतिथि डॉ वेद प्रताप वैदिक और श्री भरत मोदी थे। कॉन्फ्रेंस में टेक्सटाइल असोसिएशन (इंडिया) के नेशनल प्रेसिडेंट श्री अशोक जुनेजा ने बताया कि यह संस्था 81 वर्ष पुरानी है और यह 76 वीं ऑल इंडिया टेक्सटाइल कॉन्फ्रेंस है। कोविड की चुनौतियों के दौरान इस कॉन्फ्रेंस को आयोजित करना ज्यादा चुनौतीपूर्ण था, पर इंदौर ने इस चुनौती को पूरा कर दिखाया। देश में कृषि के बाद वस्त्र उद्योग देश का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है, जो बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देता है। देश भर में वस्त्र उद्योग से सीधे तौर पर 45 मिलियन लोग काम कर रहे हैं और 110 मिलियन लोग किसी न किसी माध्यम से रोजगार प्राप्त करते हैं। यह एकमात्र क्षेत्र है, जहाँ कम निवेश करके भी ज्यादा रोजगार पैदा किया जा सकता है। मध्यप्रदेश में अब कई बड़े ग्रुप निवेश कर रहे हैं, जिससे बड़ी मात्रा में रोजगार के अवसर पैदा होंगें।

Conference supported by- Indian Itme, Sagar Group, Vardhman, Pratibha, Sedex, Reiter, Savio, Mcx Icc, Laxmi, Indorama, Veda Group, M.P. Textile Mills Association, Vxl Rings, Parshav Textile Mills

कई बड़ी कंपनियां मध्यप्रदेश में तलाश रही है निवेश के अवसर...

टाई के नेशनल वाइस चैयरमेन श्री अशोक वेदा ने बताया कि टेक्सटाइल एसोसिएशन (इंडिया) के देश भर में 30 हजार सदस्य हैं और मध्यप्रदेश में करीब 2 हजार सदस्य हैं। इस बार कॉन्फ्रेंस इंदौर में करने का मुख्य कारण यह है कि पूरे देश में वस्त्र उद्योग से जुडी कई बड़ी कंपनियां अब मध्यप्रदेश में निवेश के अवसर तलाश रही है। भोपाल के पास मंडीदीप में टेक्सटाइल क्लस्टर तैयार हो रहा है, जहाँ देश की कई नामी कंपनियों ने अपने वीविंग और प्रोसेसिंग प्लांट्स शुरू किए हैं। हमारा उद्देश्य इंदौर में भी टेक्सटाइल क्लस्टर बनाने के लिए सभी जरुरी सुविधाएँ उपलब्ध कराना है और इस साल सरकार ने वस्त्र उद्योग के लिए जो बजट पारित किया है, उसका लाभ लेकर इंदौर को टेक्सटाइल हब के रूप में विकसित करना है। चेयरमेन श्री वीपी गुप्ता ने कहा कि हमारा उद्देश्य मध्यप्रदेश सहित पूरे देश में वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देना है और इस कॉन्फ्रेंस में मिले सुझावों को हम सरकार तक पहुंचाकर इस क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने का प्रयास करेंगे।

फाइबर से फैशन तक दिखे हैंडलूम के अलहदा रंग

चटख पारंपरिक रंगों की रौनक बिखेरती माहेश्वरी साड़ियां, खादी और बाघ प्रिंट के फैशनेबल गारमेंट तक हैंडलूम के कई अलहदा रंग दिखाई दिए शनिवार को रविंद्र नाट्य गृह में टेक्सटाइल असोसिएशन (इंडिया), एमपी युनिट द्वारा आयोजित फैशन शो में। इस शो में इंदौर के कई फैशन इंस्टिट्यूट के स्टूडेंट्स ने रैंप पर हैंडलूम को कंटेम्प्री स्टाइल में प्रेजेंट किया। सीमा मिश्रा ने इस शो में खासतौर पर पारंपरिक माहेश्वरी साड़ियों का कलेक्शन शोकेस किया। जॉइंट सेक्रेटरी डॉ दीपेश अग्रवाल ने बताया कि शो की थीम 'फैशन के रंग खादी और हैंडलूम के संग' थी।
इस शो के जरिए हम अपने पारंपरिक हथकरघा पर बनाए गए कपड़ों को आज की जरूरत के मुताबिक गारमेंट में तब्दील करके लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। टेक्सटाइल असोसिएशन (इंडिया) के कोषाध्यक्ष श्री अंकित वेदा ने बताया कि इस फैशन शो का उद्देश्य लोगों के हैंडलूम के प्रति रुझान को बढ़ाना था। लोगों में लघु और कुटीर उद्योग के तौर पर बनाए जाने वाले हैंडलूम के कपड़ों की कारीगरी और खूबसूरती की समझ विकसित करने के लिए हमने इस शो का आयोजन किया।
फैशन शो में टेक्सटाइल असोसिएशन (इंडिया) के नेशनल प्रेसिडेंट सर्व श्री अशोक जुनेजा,नेशनल वाईस चेयरमैन अशोक वेदा, चेयरमैन वीपी गुप्ता, सेक्रेटरी एमसी रावत, जॉइंट सेक्रेटरी डॉ दीपेश अग्रवाल और जवाहरलाल सांड सहित वस्त्र उद्योग से जुड़ी कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद थी।

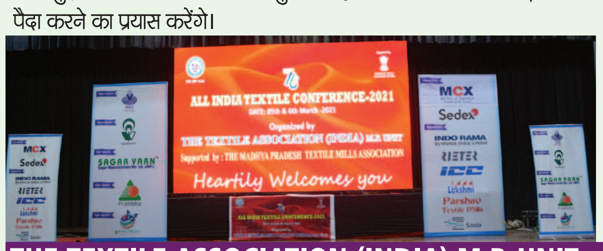

THE TEXTILE ASSOCIATION (INDIA) M.P. UNIT
Ashok Bhawan, 14/1, Race Course Road, Indore - 452001 (M.P.) India
taimpunit@gmail.com / ashokveda007@gmail.com | Tel. No.: 0731-2433612

Postal Registration No BHILWARA/208/2021-2023 RNI Registration No. 71772/98

सीजनल मालों में ग्राहकी की रफ्तार धीमी कपड़ों के बढ़े भाव से रुकावट

मुंबई/ रमाशंकर पाण्डेय

फिनिश तथा ग्रे कपड़ों में बढ़े भाव पर बाजार में कामकाज सुस्त है। सीजनल आइटमों में ग्राहकी धीमी गति से चल रही है। सूती मर्दानी धोती, शर्टिंग, साड़ी के ग्रे कपड़ों में तेजी का रुख है। ब्लाउज मटीरियल टू बाई टू रूबिया का उत्पादन कम होने तथा सीजनल मांग निकलने से भाव बढ़ा है। निर्यात मांग अच्छी है, लेकिन निर्यातक ऊंचे भाव पर माल लेने से हिचक रहे हैं। प्रोसेस हाउसों ने शर्टिंग का प्रोसेसिंग चार्ज बढ़ा दिया है। मार्च एंडिंग के कारण आर्थिक दबाव है। कोरोना के बढ़ रहे मामले चिंताजनक हैं। यद्यपि लॉकडाउन नहीं लगाया गया है, परंतु आंशिक लॉकडाउन के डर से हाल कपड़ों का उत्पादन, डिलिवरी इत्यादि पर पड़ रहे असर से कारोबारी सावधानी बरत रहे हैं।

कॉटन यार्न, पोलिएस्टर यार्न की भाव वृद्धि कुछ समय से कपड़ा व्यापारियों एवं उत्पादकों के लिए एक अबूझ पहेली बनी हुई है। अब पेट्रोल-डीजल के महंगा होने से ट्रासपोर्ट खर्च बढ़ा है। रंग रसायनों के कारण अब प्रोसेसिंग चार्ज बढ़े है। प्रोसेस कपड़ा जिसका उठाव अब तक कम था, उसमें भी सरगर्मी आ गई है। सूती कपड़ों की तेजी तो मानो रूकने का नाम ही नहीं ले रही है। यह कपड़ों के लिए सर्वाधिक बिक्री का सीजन माना जाता है। इस दौर में कपड़ों की करीब-करीब सभी वेराइटी की मांग बाजार में अपने चरम पर हमेशा रहा करती है। कारण कि इन दिनों में गर्मी के कपड़ों की मांग रहती है, तो साथ में शादी-विवाह के लिए फैंसी, अन्य वैराइटी के कपड़ों की ग्राहकी रहती है।

गर्मी शुरू होने के साथ रमजान का महीना शुरू होने जा रहा है, जिससे मुसलमान कारीगरों की लूमों पर भारी कमी होने के साथ वैवाहिक सीजन के चलते अन्य प्रदेशों के कारीगर अपने गांव की ओर जाने लगे हैं। यद्यपि यह दौर कॉटन ग्रे कपड़ों के उत्पादन के लिए बहुत ही अहम् होने के बावजूद इसमें भारी कटौती हो जाती है। जिसका असर आगे की सीजन की तैयारी पर पड़ता है। वैसे भी इन दिनों कॉटन यार्न और कॉटन कपड़ों की बिक्री या तो नकद में हो रही है अथवा आरटीजीएस के माध्यम से होती है। इस कारण छोटे स्तर के वीवर्स तथा कपड़ा व्यापारी कारोबार करने में कठिनाई से गुजर रहे हैं। वहीं कारोबार करने में सफल है, जिनकी माली हालत अच्छी है।

शर्टिंग का आयात और मांग दोनों बढ़ी है। जिसका आयात अधिक हो रहा है, उसमें सूटिंग, शर्टिंग तथा लैगिंग के लिए स्ट्रेचेबल कपड़ा शामिल है। सलोना में ब्लैक कलर की मांग बहुत अच्छी है। देसी शर्टिंग की मांग ट्रैक पर लौटने लगी है। इसके भाव भी बढ़े हैं। यार्न के महंगा होने से देसी शर्टिंग के भाव में पांच से सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। फैंसी डॉबी की मांग सबसे अधिक है। 40/40 ट्वील चैक्स की डिमांड है। इंडिगो चैक्स की मांग धीमी पड़ गई है। पर्दे के लिए पोलिएस्टर जेकॉर्ड की मांग है, इस पर डिजिटल प्रिंट होता है। सूती कैम्ब्रिक, मलमल, पोपलीन, शर्टिंग, धोती जोड़ा ग्रे, ब्लाउज मटीरियल इत्यादि में नई मांग निकलने से भाव बढ़ाकर बोले जा रहे हैं।

सिंथेटिक कपड़ों की मांग गर्मी के दिनों में कम हो जाती है, परंतु पोलिएस्टर यार्न की तेजी से भी इसमें लेवाल कम हो गए हैं, लेकिन कॉटन कपड़ों की मांग है। निर्यात में कारोबार ठीक है, परंतु सूती ग्रे कपड़ों का भाव बहुत अधिक होने तथा कंटेनरों के अभाव में निर्यातक निर्यात ऑर्डर पूरा नहीं कर पा रहे हैं। प्रोसेस्ड कपड़ों में चली आ रही नरमी कुछ कम हुई है। इसमें हल्की लेवाली शुरू हो गई है, लेकिन प्रोसेसिंग इकाइयों ने 36'' एवं 44'' पना की शर्टिंग के प्रोसेसिंग चार्ज में 75 पैसे और 58'' तथा इससे बड़े पना के प्रोसेसिंग चार्ज 1.25 पैसे तक बढ़ा दिया गया है। सूती साड़ी की मांग निकलते ही इसके ग्रे कपड़ों के भाव दो रू तक ऊंचे बोले जा रहे है।

ग्रे कपड़ों में सूती कैम्ब्रिक 30/60, 92/88, 49'' पना ग्रे का भाव बढ़कर 42.50 से 43 रू,सेमी का 39.50 से 40 रू हो गया है। 40/60, 72/72 अच्छी क्वालिटी ग्रे का भाव 33.50 से 34 रू और सेमी का 30.50 से 31 रू हो गया है। इसी तरह सूती मलमल 80/100, 68/60 ग्रे का भाव 26.50 रू तथा 100/100, 78/68 ग्रे का भाव 29.50 रू है। पीसी में स्थिर रुख है। सूती ग्रे धोती 64/56 9 मीटर 47'' पना जोड़ा का भाव 220 रू और पीसी का 170 रू हो गया है। कॉटन धोती के उत्पादन में कटौती होने और सप्लाई कम होने से कॉटन धोती ग्रे जोड़ा में भारी तेजी आई है। यही स्थिति ब्लाउज मटीरियल की है। इसमें मांग अच्छी है, सप्लाई कम है, इससे भाव प्रति मीटर 4 रू तक बढ़े हैं।

बिक्री सामान्य, बढ़ते भावों से उत्पादक असमंजस में

बालोतरा/ लालचन्द पुनीत

तेजी का घोड़ा बेहताशा तीव्र गति के साथ छलांगें लगाता हुआ आगे बढ़ रहा है। रुकने का नाम न लेने से कहाँ तक जायेगा, के चिन्तन ने उत्पादकों को उलझन के साथ मझधार में छोड़ दिया है। आज की लागत की गणना से उत्पादन पर विराम लगने की सम्भावनायें बढ़ गई है। माना कि बाजार पूरा भावों की ऊँचाइयों की दृष्टि से आसमान छू रहा है, तथापि कपड़ा आवश्यक होने के उपरान्त भी प्रखर प्रबलता के अतिरिक्त स्थगित योग्य समझा जाता है। त्यौहारी और वैवाहिक प्रसंगों में कपड़ा भी अन्य वस्तुओं के साथ आवश्यक अंग बना रहता है। ऐसे समय में भाव से ज्यादा वजन वस्तु को दी जाती है। उद्यमियों के इस विश्वास ने उन्हें अच्छी सीजन चलने की मानसिकता से अभी प्रेरित कर उज्जवल भविष्य का संकेत दिया है। वैसे अनुभवी प्रबुद्ध उद्यमियों के अनुसार परिस्थितियों के आघातों में विवेक सम्मत हल निकालने वाले ही कुछ करने में सफल होते हैं। उतार-चढ़ाव का क्रम तो चलता रहता है, परंतु लक्ष्य धारित उद्यमी निराशा में भी आशा के सूर्योदय को प्रतिस्थापित करने में विजयी होते हैं। फिलहाल ग्राहकी फिसल गई और होली के कुछ दिनों बाद तक पिछड़ी रहने की आम धारणा है। इसका यह अर्थ नहीं कि बिक्री शून्य स्तर पर आ गई है, मगर रफ्तार दमदार नहीं है। उत्पादक अपने पुरानी सौदों की डिलिवरी कर रहे हैं, नया माल बुक करने में भावों के कारण माल उत्पादन की दिक्कत अनुभव की जा रही है। मार्च के कारण रकम की आवक पर ब्रेक सा लग गया है। वर्ष समाप्ति के कारण वित्त वर्ष के अंत में रकम की कमी का अनुभव नया नहीं है। 31 मार्च तक आपसी हिसाब व अन्य कारणों से दिशावरी व्यापारी का बहुत कम पैसा ही आ पाता है।

ग्रे क्लॉथ के सौदे वे उद्यमी कर रहे हैं, जिन्हें आगे और तेजी की गुंजाइश लगती है तथा बाजार में लेवली का गुब्बारा आगे विशेष रूप से लहराने का विश्वास है। सामान्य स्थिति में सोचा जाए तो छोटे उद्यमी इस भयंकर तेजी की आंधी में अपने आप को कितना बचा पाएंगे, इसमें संशय है। वर्तमान हालातों में ना तो माल निर्माण करने में समर्थ हैं और ना ही नामचीन उत्पादकों के भावों में माल बेचने की हिम्मत कर सकते हैं। प्रिंटेड नाइटी की तुलना में पोपलीन और रेयोन की मांग ठीक है तथापि होली के लंबे अवकाश में इस पर आवरण चढ़े बिना नहीं रहेगा। पेटीकोट सूट तैयार नाइटी कुर्ती में डिजाइनों की विभिन्नता से डिमांड तो है, पर माल जरूरत के अनुसार तैयार नहीं हो पा रहा है। उद्यमियों ने उत्पादन बढ़ाने हेतु विस्तार के कई तौर तरीके अपनाए हैं।

इस वित्त वर्ष का परिणाम कई उद्यमियों के लिए ऐतिहासिक इस मायने में रहा कि विगत कई वर्षों में उन्होंने उच्चतम स्थिति प्राप्त की। उद्यमी अभी वार्षिक खातों के संदर्भ में ही अपना समय लगा रहे हैं, साथ ही नई प्लानिंग को भी पूरा स्थान दे रहे हैं। लगता है निकट भविष्य में यहां गारमेंट क्षेत्र से वर्चस्व निर्माण को स्थान मिलेगा। सरकार का शाब्दिक नहीं वार्षिक योगदान मुखरित हुआ तो यह क्षेत्र एक नए आदर्श रूप का परिचायक बने बिना नहीं रहेगा। उद्यमियों को औद्योगिक क्षेत्र में पहुंचने में जो असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है, वह बहुत पीड़ाजनक है। सक्षम अधिकारी इस बाबत मौन क्यों हैं, यह विचारणीय है।

कॉटन यार्न में मंदी की कोई संभावना नहीं

मुंबई/ कॉटन यार्न में किसी प्रकार की मंदी के आसार नहीं हैं। एकाध आइटमों में यदि भाव थोड़े घट भी गए तो कुछ दिनों के बाद फिर उसी तरह सुधर जाते हैं। हाल 16 काउंट से लेकर 60 काउंट तक के सभी यार्न की मांग जोरदार है। सिर्फ होजरी यार्न 30 कोम्ब्ड घटा है, जो एक समय प्रति किलो 300 रू तक पहुंचा था। कॉटन यार्न की मांग अच्छी है। देश में यार्न विशेषतया कॉटन यार्न के भाव वर्ष की शुरूआत से ही बढ़ने लगे थे, उल्टे इसकी शुरूआत दिसम्बर 2020 से ही हो गई थी। टेक्सटाइल उद्योग सूत्रों का कहना है कि जब तक रुई के भाव नीचे नहीं आते हैं, यार्न की आनन-फानन खरीदी नहीं रुकती है, तब तक कॉटन यार्न के भाव कम होने की संभावना नहीं है। जानकारों का यह भी कहना है कि मिलों के पास भरपूर ऑर्डर हैं। स्पिनिंग मिलें कम से कम दो महीने के स्टॉक का सौदा पहले से ही कर चुकी है। यार्न की देसी मांग और निर्यात मांग दोनों बढ़ने से स्पिनिंग मिलों का उत्पादन भी बढ़ा है। ऐसी भी रिपोर्ट है कि रुई के भाव फरवरी में 10 प्रतिशत बढ़े, जबकि चालू वर्ष की शुरूआत से इसमें बढ़ोतरी 13 प्रतिशत तक हुई है। रुई और यार्न के भाव के बीच सीधा संबंध होने से इसका असर कॉटन यार्न के भाव पर दिखाई दे रहा है। देश में रुई के भाव तो बढ़े ही, दूसरी ओर कॉटन यार्न की घरेलू मांग और निर्यात मांग भी बढ़ी। चीन ने कॉटन यार्न की अच्छे प्रमाण में खरीदी की है, बांग्लादेश और ब्राजील यार्न की खरीदी कर रहे हैं। यार्न निर्यात बढ़ने की अच्छी संभावना बनी है, निर्यात बाजारों में यार्न की मांग भी इतनी अच्छी बताई जा रही है कि निर्यातकों के लिए ऐसा करने का बेहतर मौका है। बावजूद निर्यातक एक महीने में 10 करोड़ किलोग्राम से अधिक निर्यात नहीं कर सके हैं। एक रिपोर्ट कहती है कि वित्त वर्ष 2019-20 में 95.9 करोड़ किलोग्राम का निर्यात किया गया था, जबकि देश से यार्न का निर्यात बहुत अधिक पूर्व वर्ष में हो चुका हैं। दरअसल मिलों की हर संभव कोशीश उत्पादन क्षमता का सटीक उपयोग कर घरेलू तथा निर्यात दोनों की मांग पूरी करने की रहती है, परंतु इंटरनेशनल एवं नेशनल स्तर पर रुई के बढ़ते भाव हाथ बांध देते हैं। मार्च महिने में होजरी यार्न के भाव बढ़ने के भी आसार हैं।

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए वी.के. प्रिण्टर्स, बी-36, सुदर्शन पुरा, इण्डस्ट्रियल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। **संपादक-योगेन्द्र शर्मा।**